सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 289 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 29 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

चलती बस में लगी आगः ड्राइवर और सवारियों ने कूदकर बचाई जान

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक चलती बस में अचानक आग लग गई। रविवार देर शाम धरसींवा के पास यह हादसा हुआ। आग लगते ही बस में मौजूद ड्राइवर और सवारियों ने कूदकर अपनी जान बचाई। यह बस महेंद्र स्पंज फैक्ट्री सरोरा तिल्दा के कर्मचारियों को घर लेकर जा रही थी।

जान बचाने के बाद ड्राइवर समेत सवारियों ने फायर ब्रिगेड और पुलिस को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की 2 गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी। मामला धरसींवा थाना इलाके का है। महेंद्र स्पंज एंड पावर लिमिटेड की फैक्ट्री इंडस्ट्रियल एरिया सिलतरा में स्थित है। यहां से रविवार शाम करीब 7 बजे बस कर्मचारियों को घर छोड़ने के लिए निकली थी। कुछ देर बाद ही धरसींवा के पास सिक्स लाइन पर बस से लपटें निकलने लगी। किसी तरह बस को ड्राइवर ने रोका और कर्मचारियों ने अपनी जान बचाई। बताया जा रहा है कि, बस को कुछ दिन पहले ही फैक्ट्री के ठेकेदार ने किराए पर लिया था। फिलहाल आशंका है बस में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी। फायर ब्रिगेड के साथ धरसींवा पुलिस भी मौके पर पहुंची और आगे की जांच की जा रही है।

नक्सलियों के शहीदी सप्ताह को डीआरजी के जवानों ने किया नाकाम

दंतेवाड़ा। जिले के थाना बारसूर क्षेत्र के ग्राम कोसलनार मंगनार में नक्सलियों की सूचना पर टीम को रवाना किया गया। इस दौरान कोसलनार क्षेत्र में शहीद सप्ताह पर आयोजन चल रहा था, जिसमें बड़ी संख्या में नक्सलियों के आने की जानकारी मिली। रविवार को दंतेवाड़ा के थाना बारसूर क्षेत्र के ग्राम कोसलनार मंगनार और कुवेम के आसपास डीवीसीएम मुरली व हेमलाल के साथ 20 से 25 नक्सलियों की उपस्थिति व ग्राम कोसलनार में शहीद सप्ताह पर आयोजन करने पर दंतेवाड़ा से नक्सल गस्त सर्च अभियान के लिए डीआरजी बस्तर फाईटर्स के जवान रवाना हुए। सुरक्षाबलों की गश्त के कारण इनका आयोजन नहीं हो सका।

इसी प्रकार महाराष्ट्र के थाना गड़चिरोली अंतर्गत पूर्व में मारे गये नक्सली कंपनी कमांडर सतीश के याद में बनाया गया स्मारक एवम नक्सलियों के द्वारा कोसलनार में शहीद सप्ताह पर आयोजन किया जा रहा था। गश्त सर्चिंग के दौरान फोर्स को कोसलनार ग्राम में टेंट व नक्सल स्मारक दिखाई दिया, जिसे नक्सलियों द्वारा पूर्व में मारे गये माओवादी सतीश के याद में बनाया गया था, एवम उसके चारों ओर आयोजन के लिए तैयारी की गई थी,जवानों द्वारा आसपास सघन सर्च किया व नक्सल स्मारक को ध्वस्त किया गया और सर्च करते हुऐ डीआरजी बस्तर फाइटर की टीम वापस हुई।

छत्तीसगढ़ में अब जुआरियो-सटोरियों पर एसीबी व ईओडब्ल्यू कसेगी नकेल, सरकार ने दिया अधिकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने ऑनलाइन जुआ-सट्टा पर नकेल कसने नई पहल की है। जुआरियो व सटोरियो पर प्रभावी कार्रवाई के लिए अब छत्तीसगढ़ में एसीबी एवं ईओडब्ल्यू को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार राज्य में जुआ-सट्टा विशेषकर ऑनलाइन गैम्बलिंग पर कड़ाई से रोक और इस मामले में संलिप्त लोगों पर तेजी से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी। इसके लिए राज्य सरकार ने विधिवत् अधिसूचना का प्रकाशन कर छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 की समस्त धाराओं के अंतर्गत अब एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) एवं राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण (ईओडब्ल्यू) को जांच और कार्रवाई का अधिकार दे दिया है।

ऑनलाइन जुआ-सट्टा के मामलों में कार्रवाई तेज होगी, सरकार ने जारी की अधिसूचना

बता दें पिछले कुछ वर्षों में ऑनलाइन जुआ व सट्टा का कारोबार तेजी से फ्ला है। जुआ एक्ट के तहत प्रभावी कार्रवाई न होने के कारण जुआरियों व सटोरियों के हौसले बुलंद हो गए। महादेव बुक, रेड्डी अन्ना, लोटस जैसे कई ऑनलाइन गेमिंग साइट युवाओं में जुआ व सट्टे की लत लगा रहे हैं। इस मामले में छत्तीसगढ़ में कड़ी कार्रवाई भी हुई। ऐसे मामलों में कार्रवाई को और मजबूत करने छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार ने एसीबी और ईओडब्ल्यू अधिकार दे दिया है। एसीबी और ईओडब्ल्यू को यह अधिकार मिलने से ऑनलाइन जुआ के मामलों में भी तेजी से जांच एवं प्रभावी कार्रवाई हो सकेगी। यहां यह उल्लेखनीय है कि एसीबी और ईओडब्ल्यू अब तक केवल भ्रष्टाचार और आर्थिक अनियमितता से जुड़े मामलों में जांच करती रही है। इस अधिसूचना के प्रकाशन से एसीबी और ईओडब्ल्यू की जांच और कार्रवाई का दायरा और बढ़ गया है।

एक ही विंग में होगी ऐसे सभी मामलों की जांच

गौरतलब है कि एसीबी और ईओडब्ल्यू को जुआ एक्ट के तहत जांच और कार्रवाई का अधिकार मिलने से इन मामलों की जांच एक ही विंग में होगी। जिससे जांच में आसानी और कार्रवाई में तेजी आएगी। राज्य में जुआ-सट्टा पर प्रभावी तरीके से शिकंजा कसा जा सकेगा। छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम में ऑनलाइन जुए को शामिल किया गया है और इस मामले में दोषी पाए जाने पर 7 साल की सजा का प्रावधान तथा गैर जमानती धाराओं को शामिल किया गया था। अधिनियम में कार्रवाई के लिए कड़े प्रावधान करते हुए जुआ घर का स्वामी होना, जुआ खिलाना, ऑनलाइन जुआ खिलाना, विज्ञापन प्रतिषेध का उल्लंघन और कंपनी द्वारा अपराध को संज्ञेय तथा गैरजमानती अपराध बनाया गया है।

3 से 7 साल की सजा व जुर्माने का प्रावधान

छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022 में जुआ घर की परिभाषा में ऑनलाइन जुआ प्लेटफार्म शब्द जोड़ा गया है। उपकरण की परिभाषा में इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख, डिवाइस, मोबाइल एप, इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसफर ऑफ फंड्स शब्द जोड़े गये हैं। पुराने अधिनियम में ऑनलाइन जुआ के लिए दण्ड का कोई प्रावधान नहीं था। इसके कारण जुआरियों व सटोरियों में इसे लेकर कोई भय नहीं था। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। जुआ एक्ट के तहत अब पृथक से दण्ड का प्रावधान किया गया है। जिसमें अधिकतम 3 वर्ष की जेल एवं 5 लाख तक के जुर्माने का प्रावधान है। वहीं ऐसे मामलों में बार-बार पकड़े जाने पर दंड को और बढ़ाया जाएगा। ऐसे अपराध के लिए अधिकतम 7 वर्ष तक जेल और 10 लाख तक का जुर्माना हो सकता है।

ओलंपिक में मनु भाकर ने जीता कांस्य, सीएम साय ने दी बधाई

■ **पेरिस ओलंपिक में भारत का खाता खुला, 12 साल बाद शूटिंग में मिला पदक**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मनु भाकर के पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि पेरिस ओलंपिक में भारतीय शूटर मनु भाकर ने महिला वर्ग के 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। निश्चित ही यह समूचे भारतवासियों के लिए गौरवान्वित करने वाला पल है। मनु को बहुत-बहुत बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं। सोमवार को लोकसभा में मनु भाकर के ओलंपिक मेडल जीतने पर बधाई दी गई। मनु भाकर ने रविवार को 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में कांस्य पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया।

बता दें मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में भारत के पदक का खाता खोल दिया। रविवार को मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में 221.7 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। फाइनल में मनु ने शुरू से ही तीसरा स्थान बरकरार रखा और तीसरा स्थान ही हासिल किया। मनु भाकर शूटिंग में भारत को ओलंपिक पदक दिलाने वाली भारत की पहली महिला एथलीट हैं। इसके साथ ही उन्होंने शूटिंग में भारत के पदक के 12 साल के सूखे को भी खत्म किया। 2012 लंदन ओलंपिक में गगन नारंग और विजय कुमार ने शूटिंग में पदक जीता था। स्पर्धा का स्वर्ण और रजत पदक दक्षिण कोरिया की दो एथलीट्स ने जीता। ओह ये जिन 243.2 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक और किम येजी ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पदक अपने नाम किया। मनु भाकर क्वालिफिकेशन राउंड में भी तीसरे स्थान पर रही थीं।

पीएम मोदी व सचिन तेंदुलकर ने दी बधाई

मनु भाकर की उपलब्धि पर पीएम मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि पूरे देश को आप पर नाज हैं। वहीं क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने कहा कि पदक तालिका में अव्वल और निशानेबाजी में अव्वल! पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पहला पदक जीतने पर बधाई मनु भाकर टोक्यो में दिल टूटने के बाद, आपने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के लिए अपार शक्ति और दृढ़ संकल्प दिखाया है और भारत को गौरवान्वित किया है। सचिन के साथ ही खेल जगत के दिग्गजों ने मनु भाकर को बधाई दी है।

आरक्षण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का पटना हाईकोर्ट के निर्णय पर रोक से इनकार

नईदिल्ली (ए.)। बिहार सरकार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका मिला है। दरअसल, पटना हाईकोर्ट ने कुछ समय पहले ही बिहार सरकार के नौकरी और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण को बढ़ाने के फैसले पर रोक लगा दी थी। अब इस फैसले पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने भी इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट इस मामले पर अब सितंबर में सुनवाई करेगा।

20 जून को पटना हाईकोर्ट ने बिहार सरकार के अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग का आरक्षण 65 फीसदी तक बढ़ाने वाले कानून को रद्द कर दिया था। पटना हाईकोर्ट ने इसे असंवैधानिक करार दिया था। यानी अब शिक्षण संस्थानों व सरकारी नौकरियों में अनुसूचित जाति, जनजाति, अत्यंत पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग को 65 आरक्षण नहीं मिलेगा। 50 प्रतिशत आरक्षण वाली पुरानी व्यवस्था ही लागू हो गई।

बिहार सरकार ने आरक्षण संशोधन बिल के जरिए आरक्षण दायरा बढ़ा 65 फीसदी कर दिया था। 10 प्रतिशत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले आरक्षण को जोड़ दें जो कुल 75 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलेगा। 21 नवंबर 2023 को बिहार सरकार ने इसको लेकर गजट प्रकाशित कर दिया था। इसके बाद से शिक्षण संस्थानों और नौकरी में अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अतिपिछड़ा को 65 फीसदी आरक्षण का लाभ मिल रहा था।

दिल्ली शराब घोटालाः सीबीआई ने केजरीवाल व अन्य आरोपियों के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में दायर किया आरोपपत्र

नईदिल्ली (ए.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उत्पाद शुल्क नीति मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट दिल्ली में आरोपपत्र दायर किया है।

दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े सीबीआई मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने 25 जुलाई को मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को बढ़ा दी थी। इस मामले में आठ अगस्त को सुनवाई होनी है। तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए केजरीवाल की पेशी हुई थी। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के तिहाड़ जेल से ही गिरफ्तार किया था।

सीएम केजरीवाल के अलावा पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और बीआरएस नेता के कविता की भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुई थीं। राउज एवेन्यू कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 31 जुलाई और के. कविता की भी न्यायिक हिरासत 31 जुलाई तक बढ़ा दी थी।

इससे पहले 12 जुलाई को अदालत ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत शुक्रवार को 25 जुलाई तक बढ़ा दी थी, जिसकी जांच सीबीआई द्वारा की जा रही है। केजरीवाल को विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये पेश किया गया था। वह अपनी न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर सीबीआई और ईडी मामलों के सिलसिले में पेश हुए थे।

सीएम साय ने की कृषि मंत्री शिवराज सिंह से मुलाकात

नईदिल्ली। सोमवार को नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी से मुलाकात की। कृषिमंत्री से छत्तीसगढ़ के कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों, कृषि विकास एवं ग्रामीण विकास के विषय पर विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी मौजूद रहे।

धर्म आधारित कानूनों की उलटी गिनती

श्रीकंचनपथ

गुस्ताखी माफ - दीपक रंजन दास

असम सरकार ने मुस्लिम मैरिज एक्ट को खत्म कर दिया है. इस एक्ट के तहत कम उम्र में की गई शादियां वैध थीं। शादियां काजी करवाते थे जिनकी नियुक्ति सरकार करती थी। काजी के पास तलाक को सर्टिफाई करने का भी अधिकार था। इसी कानून के तहत मुसलमानों को बहु विवाह करने की इजाजत थी। दरअसल, यह बात केवल मुसलमानों की नहीं है। भारत में बाल विवाह की प्रथा काफी पुरानी हैं। यहां बंगाल में 19 शताब्दी तक चली विवाह की प्रथाओं का जिक्र किया जाना अप्रासंगिक नहीं होगा। कुलीन वंश में विवाह को लेकर कुछ ऐसे प्रथाएं चल रही थीं जिसके कारण बंगाल में बाल विधवाओं की अच्छी खासी संख्या खड़ी हो गई थी। कुलीन वंश अर्थात ब्राह्मण और कायस्थ। ये अपनी बेटियों की शादी दूसरे किसी समाज में नहीं करवा सकते थे। इसलिए छोटी-छोटी बच्चियां अधेड़ से लेकर बूढ़े कुलीन वरों को ब्याह दी जाती थीं। इनमें से कुछ कु लीन दूल्हे तो आजीवन ससुराल की ही रोटियां तोड़ते थे। इनकी इतनी ससुरालें होती थीं कि एक-एक सप्ताह सब जगह रह लें तो किसी एक ससुराल का दूसरी बार नम्बर कई महीने बाद आता था। जब ऐसे बूढ़ों की मृत्यु होती तो अलग-अलग उम्र की दर्जनों वधुएं एक साथ विधवा हो जाती थीं। देश में 1956 तक इसपर किसी तरह की कोई पाबंदी नहीं थी कि कौन कितनी शादियां कर सकता है। प्रसिद्ध साहित्यकार एवं समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने अंग्रेजों के जमाने में इसे चुनौती देते हुए कंपनी सरकार को एक याचिका दी थी। याचिका में कहा गया था कि कुलिन केवल पैसे के लिए शादी करते हैं और शादी से जुड़े किसी भी कर्तव्य को पूरा करने का उनका कोई इरादा नहीं होता। इस तरह नाममात्र की शादी करने वाली महिलाएं, कभी भी खुश नहीं रह सकतीं। सती प्रथा के खिलाफभी बंगाल में ही आंदोलन चला। पर ये सब इतिहास की बातें हैं। अब शिक्षित परिवार, फिर चाहे वो हिन्दू हो या मुस्लिम किसी कानून की आड़ में बहु विवाह नहीं करता। वैसे भी 60 साल की उम्र में मैंने बहुत कम ऐसे मामले देखे हैं जहां किसी ने किसी को तलाक दिया हो या दर्जन-दो दर्जन बच्चे पैदा किये हों। जिन्हें अपने बच्चों के भविष्य की चिंता है वह न केवल बच्चों की संख्या सीमित रखते हैं बल्कि उन्हें अच्छी तालीम भी देते हैं। इसके लिए आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियां ही ज्यादा जिम्मेदार मालूम होती हैं। तीन पीढ़ी पहले तक हिन्दू परिवारों में भी 5-7 या उससे अधिक बच्चे होते थे। अब वह दौर बीत गया है। जिन मुसलमानों में आगे बढ़ने की इच्छा है, उन्होंने भी खुद को बदल लिया है। वैसे एक आवश्यकता तो थी ऐसे किसी भी कानून के वजूद को मिटा देने की जो किसी इंसान के साथ भेदभाव करता है या उसके अधिकारों को सीमित करता है। इसलिए असम में लाए गए इस परिवर्तन का स्वागत करना चाहिए।

संपादकीय

पौधों के बदले नाम

मानव संसार धीरे-धीरे शालीन हो रहा है, इसी कड़ी में पहली बार वनस्पतिशास्त्रियों ने निर्णय लिया है कि 200 से अधिक पौधों, कवक और शैवाल प्रजातियों के नामों को बदला जाएगा। सदियों से इन प्रजातियों के ऐसे नाम रखे जाते रहे हैं, जिनसे नस्लवाद की बू आती है। मध्ययुगीन बर्बरता की वजह से भी खासकर अफ्रीका में पाई गई विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के नाम नस्लीय आधार पर रखे गए थे। एक लंबा दौर था, जब अफ्रीकी देशों में लोगों और वहां की संस्कृति के साथ ही वहां की प्रकृति को भी हिकारत भरी निगाहों से देखा गया। शायद यह वही दौर था, जब अफ्रीकियों को दास बनाकर दुनिया की बदनाम दास मंडियों में बेचा जाता था।

> **अनेक नाम ऐसे रखे गए, जो स्थानीय बोलियों में बिल्कुल गाली की तरह थे। वनस्पतियों के नाम रखते हुए 'कैफ्रा' शब्द का सर्वाधिक इस्तेमाल किया गया। अब चूंकि पूरी दुनिया में रंगभेद और नस्लवाद के खिलाफ निरंतर आंदोलन चलते रहे हैं, तो वनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञों का यह फैसला बहुत सुखद और स्वागतयोग्य है। पहली बार, शोधकर्ताओं ने ऐसे वैज्ञानिक नामों को खत्म करने के लिए मतदान किया है, जो आपत्तिजनक हैं। ये ऐसे शब्द या नाम हैं, जिनका उपयोग ज्यादातर दक्षिणी अफ्रीका के अश्वेतों के खिलाफ किया जाता रहा है।**

मैड्रिड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वनस्पति कांग्रेस में इन बदलावों के पक्ष में बाकायदा मतदान हुआ। पूरी सावधानी बरतते हुए गुप्त मतदान किया गया, नाम सुधार के पक्ष में 351 वोट पड़े, जबकि विरोध में 205। मिसाल के लिए, इसका एक बड़ा लाभ यह होगा कि साल 2026 से तटीय मूंगा जैसे पौधों को औपचारिक रूप से एरिथ्रिना कैफ्रा के बजाय एरिथ्रिना एफ्रा कहा जाएगा। नेल्सन मंडेला यूनिवर्सिटी (एनएमयू) के वनस्पति विशेषज्ञ गिदोन स्मिथ कहते हैं कि हमें इस प्रक्रिया में हमारे सहयोगियों से वैश्विक समर्थन का पूरा भरोसा था, भले ही वोट का नतीजा करीबी रहने वाला था। बेशक, नस्लभेदी या रंगभेदी नामों को बदलना जरूरी था, ताकि नफरत के आदिम दौर से पीछा छुड़ाया जा सके। बदलाव के पक्षधर वैज्ञानिकों को शायद शुरू में परेशानी और विरोध का सामना करना पड़ेगा, बहुत सारी किताबों को फिर प्रकाशित करने की जरूरत पड़ेगी, पर यह फैसला हर दृष्टि से गरिमापूर्ण और न्यायपूर्ण है। किसी भी किताब में अपशब्दों की कतई जरूरत नहीं है। निरंतर सभ्य और शालीन समाज के निर्माण के लिए ऐसे सुधार की कोशिश लंबे समय से जारी थी। इससे नाम सुधार की समग्र प्रक्रिया को बल मिलेगा।

समाज में व्याप्त ऐसे अनगिनत शब्द हैं, जो किसी न किसी मानव समूह या वर्ग के लिए अपमानजनक हैं। ऐसे में, एक साथ 200 नाम बदलने का फैसला प्रेरणा की वजह बनेगा। शायद हर देश को अपने स्तर पर अपमानजनक नामों से छुटकारा पाना होगा। बहरहाल, वनस्पति विज्ञान में अब नए नाम रखते हुए भी काफी सावधानी बरतने का इरादा है। तमाम वैज्ञानिक सहमत हैं कि अब नाम ऐसे नहीं रखे जाएंगे, जिनसे कोई आहत हो। मसलन, यदि अकेले ऑस्ट्रेलिया की बात करें, तो वहां जल्द ही सबसे बड़ी चुनौती उन हजारों नई प्रजातियों के नामकरण की होगी, जिनकी खोज हो चुकी है या होने वाली है। पिछले 50 वर्षों में लगभग 7,000 ऑस्ट्रेलियाई पौधों की प्रजातियां दर्ज हुई हैं, जिनका नामकरण होना बाकी है। ऐसे में, 200 वनस्पतियों के नामों में बदलाव के साथ यह महज एक शुरुआत है।

प्रभात का कभी सूर्यास्त नहीं हो सकता

लोकेन्द्र पाराशर, प्रदेश मंत्री मप्र भाजपा

मनुष्य जब अस्तित्व में आता है, तो उसकी प्रारंभिक पहचान उसकी देह से होती है। सामान्य व्यक्ति इसी देह के साथ ही एक दिन समाप्त भी हो जाता है। लेकिन समाज में कुछ ऐसे लोग भी जन्म लेते हैं, जिन्हें उनकी देह से नहीं दैदीव्यता से पहचाना जाता है। ऐसे ही मनुष्य को असाधारण, विलक्षण, प्रखर, प्रतापी, विचारवान, दयावान, निर्णायक, परिश्रमी जैसे शब्दों से अलंकृत किया जाता है। प्रभात झा के जीवन काल को हम देखें तो ध्यान में आता है कि उन्होंने सब बातों की चिंता करते हुए यदि किसी एक चीज की चिंता नहीं की तो, वह उनकी देह ही थी। देह से पूर्णतः विरक्त रहकर रक्त-रक्त को परिश्रम की पराकाष्ठा में लगा देना ही प्रभात जी की पहचान थी। बिहार से चलकर मुंबई और ग्वालियर आगमन की यात्रा को जिन लोगों ने देखा, उन्होंने प्रभात जी को एक अभाव में पलने वाले प्रभाव' के रूप में ही देखा।

मेरा उनका परिचय 1984 में उस समय हुआ जब माननीय अटल जी ग्वालियर से श्री माधवराव सिंधिया जी के विरुद्ध चुनाव मैदान में थे। एक सभा के मंच के समीप ही उन्होंने मुझे पूछा 'मुझे जानते हो'' मैंने कहा नहीं तो...। वे मुझे पास की दुकान में मौसम्बी रस पिलाने ले गए, वहीं पूरा परिचय दिया। मैं भौंचक्का था, कारण का उल्लेख करना समचीनी नहीं है, बस इतना समझ लीजिए कि मैं उनके नाम को लेकर दुराग्रही था। लेकिन उस पहले परिचय के बाद उन्होंने जिस आत्मीयता के साथ मुझे भाजपा के संभागीय कार्यालय मुखर्जी भवन में आवास उपलब्ध कराने से लेकर पढ़ाई-लिखाई तक की चिंता की, उसने तो मुझे अंदर तक ग्लानि से भर दिया। 'मैं क्या सोचता था और वो क्या निकले।''

समय बीतता गया और बताता गया कि प्रभात जी यानि परिश्रम, प्रभात जी यानि पकड़, प्रभात जी यानि स्मरण शक्ति, प्रभात जी यानि वैचारिक स्पष्टता, प्रभात जी यानि प्रखरता और प्रभात जी यानि अपार संभावना का रास्ता। हुआ भी यही। प्रभात जी के साथ स्वदेश' में कार्य करने का कुछ वर्ष अनुभव रहा। सारा आभा मण्डल प्रभात जी के इर्दगिर्द ही डोलता था। एक समय था जब स्वदेश यानि प्रभात जी थे और प्रभात जी यानि स्वदेश था। रामजन्म भूमि आन्दोलन में मैंने उनकी पत्रकारिता और प्रतिबद्धता को बहुत गहरे से देखा। ग्वालियर का ऐसा कोई गली मोहल्ला नहीं था, जिसके किसी न किसी परिवार से प्रभात जी का टिफिन न आता हो। लोग पूछते थे प्रभात जी का परिवार नहीं है क्या दरअसल उनका परिवार भी था। भाभी को वर्षों तक समझ ही नहीं आया कि पति मिला है या संन्यासी। खैर! जीवछ और बऊआ नामक बेटों के आने के बाद भी कभी किसी ने यह नहीं देखा कि प्रभात जी पण्डित जी (वे भाभी को पण्डित जी ही कहते थे) के साथ बाजार गए हैं या बेटों को किसी उद्यान की सैर करा रहे हैं।

कुल मिलाकर परिवार की जिम्मेदारी से लगभग विरक्त रहकर उन्होंने अपनी यात्रा को समष्टि के लिए इस कदर आगे बढ़ाया कि विचार ने उन्हें भारतीय जनता पार्टी मध्यप्रदेश का पहला मीडिया प्रभारी बनाया। बाद में वे राष्ट्रीय पदाधिकारी, सांसद और प्रदेश अध्यक्ष भी बने। वे जहां रहे, वहां अपने कृतित्व की सुगंध छोड़ते चले गए। आज भी स्वदेश की बात आए तो प्रभात जी की बात होती है। भाजपा कार्यालय में आज भी उनके उल्लेख के बिना राजनैतिक कौशल पर चर्चा पूरी नहीं हो पाती है। मैं सात वर्षों से अधिक भाजपा का प्रदेश मीडिया प्रभारी रहा, लेकिन मैंने यह अनुभव किया कि इस विभाग पर आज भी सिर्फ प्रभात जी की ही छाप है। यह देखकर मुझे सदैव आनंद ही रहा, क्योंकि वे मेरे पत्रकारिता काल के योग्य अग्रज रहे थे।

प्रभात जी हमारे बीच देह से भले नहीं हैं, लेकिन उनके प्राण तत्व की प्रतिष्ठा ऐसी है कि वह पग-पग पर परामर्श देती रहेगी। उनके व्यक्तित्व के पीछे केवल और केवल उनकी वैचारिक स्पष्टता और उस पर चलने की बेजोड़ कर्मठता थी। शब्दों की मर्यादाएं ऐसी हैं कि वह प्रभात जी के कृतित्व को समेट ही नहीं सकती। आज हमने अपना नक्षत्र खोया तो है, लेकिन केवल शरीर से खोया है, उनका शरीर निसंदेह अधिक परिश्रम की भेंट चढ़ा है। वरना इतनी जल्दी जाते ही नहीं। प्रभात जी हमें जो देकर गए हैं वह प्रेरणा अविनाशी है। उन्होने जो दिया है, उसके लिए असंख्य कार्यकर्ता अनंत काल तक कृतज्ञ रहेंगे। क्योंकि प्रभात' का कभी सूर्यास्त' नहीं हो सकता।

(ये लेखक के विचार हैं)

नजरिया

अन्य आयोजनों से पेरिस का ओलंपिक जलसा अलग क्यों

ओलंपिक खेलों की रणभेरी बजने से पहले हरेक मेजबान शहर को अंग्रेजी भाषी दुनिया के ताने सहने पड़ते हैं। मसलन, एथेंस समय से तैयार नहीं हो पाएगा। बीजिंग की हवा हर किसी का दम घोंट देगी। रियो में जीका वायरस के साथ यह शिकायत थी कि वहां के अपराधी चैंपियनों के मेडल और पत्रकारों के फोन छीन लेंगे।

शारदा उगरा, वरिष्ठ पत्रकार

टोक्यो के बारे में आशंकाएं थीं कि कोविड के बुलबुले को वह कैसे संभाल पाएगा? लंदन (2012 ओलंपिक) का ऐसे आरोपों से बच जाने की वजह थी, जबकि वहां खेलों से पहले सबसे गंभीर मुद्दा सुरक्षा गार्डों की कमी का था।

अंग्रेजी मीडिया के (मुख्यत: ब्रिटिश व अमेरिकी) उपभोक्ता के रूप में भारतीयों के सामने हर ओलंपिक शुरू होने से पहले उसे किसी आपदा के रूप में पेश किया जाता है और यह विशेषकर गैर-अंग्रेजीभाषी देश में आयोजित वाले ओलंपिक खेलों में होता है। पेरिस के मेयर को तो यह साबित करने के लिए सीन नदी में कूदना पड़ा कि इसका पानी तैराकों के लिए साफ है। लंदन के फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, पेरिस एक महत्वाकांक्षी, पर जोखिम भरे ओलंपिक की मेजबानी कर रहा है। मगर हकीकत में, पेरिस इस आयोजन को फिजूलखर्ची के बजाय नए सिरे से गढ़ने का इरादा रखता है और इसका वायदा उसने यह कहकर किया है कि वह सबसे हरित, सबसे चिरस्थायी और सर्वाधिक लैंगिक समानता वाला ओलंपिक आयोजित कर रहा है। यह कोई आसान काम नहीं है। वहां तो पहले से ही इस खबर के खिलाफ सुगबुगाहट शुरू हो गई कि खेल गांवों के कमरे वातानुकूलित नहीं होंगे और फर्श के नीच पाइप डालकर तापमान को छह डिग्री सेल्सियस कम किया जाएगा, इसीलिए अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, कनाडा और इटली अपने यहां से एसी खुद लाने की बात की। दुनिया के देशों के ऐसे ही दबाव में आयोजनकर्ताओं को 2,500 एसी किराये पर लेने को बाध्य होना पड़ा है। इसे विडंबना ही कहेंगे कि जो देश वैश्विक मंचों पर पर्यावरण के मुद्दे पर ज्यादा मुखर नजर आते हैं, उनको अपनी कथनी और करनी के बीच संतुलन बनाना इतना मुश्किल लग रहा है।

बहरहाल, मई 2018 में पेरिस ने ईएसएस2024 नामक सॉलिडरिटी प्लेटफॉर्म, यानी एकजुटता मंच लॉन्च किया, जिसका मकसद खेलों के लिए करीब तीन अरब यूरो की खरीदारी और अनुबंधों के लिए एक अनूठा वितरण मॉडल तैयार करना था। बांग्लादेश केयूनुस सेंटर फॉर सोशल बिजनेस व फ्रांस के गैर-सरकारी संगठन लेस कैनॉक्स के साथ काम करते हुए आयोजकों ने शहरी नवीनीकरण के लिए प्रतिबद्ध स्थानीय उद्यमियों के साथ काम के अवसर पैदा करने की कोशिश की है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी की मार्च की घोषणा बताती है कि ओलंपिक खेलों के लिए ढांचागत निर्माण, खान-पान, फर्नीचर आदि के लिए 460 स्थानीय व्यवसायों को जोड़ा गया, जिनमें से नौ व्यवसायों के साथ 1.6 अरब यूरो के अनुबंध किए गए, जो खेल गांव व स्टेडियमों की साफ-सफाई व कपड़े धोने से जुड़े थे। प्लास्टिक के कचरे से दो आयोजन स्थल पर करीब 11,000 कुर्सियां बनाई गईं। आयोजन के लिए स्थायी खेल सुविधाएं दी गई हैं और ओलंपिक एक्वेटिक सेंटर को आयोजन के बाद सार्वजनिक तैराकी शिक्षण-प्रशिक्षण केंद्र बना दिया जाएगा।

सिंतबर 2021 में अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम में नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने कहा था कि खेलों की सामाजिक ताकत का प्रभावी ढंग से उपयोग ही नहीं किया जाता। अगर हम ऐसे आयोजनों के आर्थिक लक्ष्य को बाधित किए बिना इस ताकत का इस्तेमाल सामाजिक लक्ष्यों को पूरा करने में करें, तो हमें खासा लाभ मिल सकता है।

पेरिस ने यूनुस द्वारा बताए गए तीन संकटों- ग्लोबल वार्मिंग, आर्थिक असमानता और बेरोजगारी से निपटने के लिए अनूठा तरीका खोजने का प्रयास किया है। मगर अब किराये की एसी का उपयोग बता रहा है कि सही इरादा होने पर भी पेरिस को अपमानित होना पड़ा। फिर भी, जैसा कि अभिनव बिंद्रा कहते हैं, पेरिस भविष्य के लिए बेंचमार्क बना सकता है, क्योंकि पहले ऐसे आयोजनों का मतलब होता था- भव्यता, चमक-दमक और बेहिसाब आतिशबाजी। मगर इस बार ऐसा नहीं हुआ है। रोशनी का यह शहर विश्व खेल को रास्ता दिखा सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

उत्पीड़न झेला, बलिदान हुए सभी को याद किया जाए

अवधेश कुमार

जून 25 यानी आपातकाल लगाने की तिथि को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की नरेन्द्र मोदी सरकार की घोषणा पर आ रही प्रतिक्रियाओं में कुछ तो स्वाभाविक हैं किंतु कुछ आश्चर्य में भी डालने वाली हैं। कांग्रेस पार्टी इसके विरुद्ध अलग-अलग प्रकार का तर्क दे तो समझ में आता है लेकिन जिन नेताओं और पार्टियों ने आपातकाल के विरुद्ध संघर्ष किया, जिनमें से कई की पहचान आपातकाल विरोधी संघर्ष से ही बनी वो भी खुलकर आपातकाल की आलोचना के लिए तैयार नहीं है। ऐसा वातावरण बना है मानो आपातकाल के विरुद्ध केवल भाजपा हो और बाकी उसे सही मान लिया हो।

जब कांग्रेस सहित ज्यादातर विपक्ष भाजपा संविधान खत्म कर देगी तथा संविधान बचाओ संविधान बचाओ को राजनीति और चुनाव का बड़ा मुद्दा बनाते हैं तो भाजपा के लिए इसका प्रभावी प्रत्युत्तर देना स्वाभाविक है। सब जानते हैं कि देश के वर्तमान ढांचे में संविधान को खत्म कर देना या उसका गला घोंट देना और पूरी राजनीतिक प्रशासनिक ढांचे को आमूल रूप से बदल देना संभव नहीं है। यह झूठ चुनाव में मुद्दा बना तथा एक बड़े वर्ग तक पहुंचा। संविधान खत्म होने के साथ ही आरक्षण खत्म करने की भी बात थी और दोनों एक दूसरे से सन्नद्ध थे। प्रधानमंत्री मोदी की नीति-अटैक इज द बेस्ट डिफेंस यानी आक्रमण सबसे बड़ा बचाव है-रही है। इस बार के चुनाव में संविधान और आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा को रक्षात्मक या बचाव की मुद्रा में ज्यादातर समय रहना पड़ा। भाजपा मतदाताओं के एक बड़े वर्ग को समझाने में सफल नहीं रही कि विपक्ष गलत मुद्दा बना रहा है। चुनाव परिणाम के बाद निश्चय ही इस पर विचार हुआ है। ध्यान रखिए की 25 जून को सरकारी कार्यक्रम भले आज घोषित किया गया हो किंतु हर वर्ष देश भर में ऐसे लोगों की बड़ी संख्या है जो आपातकाल के काले अध्याय को याद करते हुए कार्यक्रम रखते हैं।

आज सपा इस मामले पर खामोश है या प्रश्न उठा रही है किंतु स्वयं मुलायम सिंह यादव आपातकाल विरोधी कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री रहते हुए भी शामिल होते रहे। वर्तमान राजनीति का बड़ा संकट आंदोलनकारियों, संघर्ष से आगे आने वालों और वास्तविक एक्टिविस्टों की संख्या न के बराबर होना है जिस कारण ज्यादातर नेताओं जनप्रतिनिधियों को इसका पता ही नहीं कि 25 जून और 5 जून को याद करने और संकल्प लेने के कार्यक्रम देश में लगातार होते हैं। निश्चित रूप से इस मामले में भाजपा की रणनीति यही है कि आम लोग समझ लें कि संविधान खत्म करने की कोशिश किसने की।

25 जून,1975 को आपातकाल भी संविधान की धारा 352 के तहत लगा था

अगर किसी काल में संविधान व्यवहार में खत्म था तो वह आपातकाल का दौर ही था। यद्यपि 25 जून,1975 को आपातकाल भी संविधान की धारा 352 के तहत ही लगा था। आपातकाल लगने के बाद व्यवहार में सारी शक्तियां एक व्यक्ति यानी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी में निहित हो गई थीं। संविधान संशोधन कर ऐसी स्थिति बना दी गई थी कि प्रधानमंत्री के फैसले में उच्चतम न्यायालय भी हस्तक्षेप नहीं कर सकता। नागरिकों के मौलिक अधिकार खत्म थे तथा प्रेस को बगैर सेंसरशिप अधिकारी की अनुमति के एक शब्द भी छापने की अनुमति नहीं थी।

भारत में वह समाचार चैनलों का दौर नहीं था। समाचार, विचार और अन्य सूचनाओं के मुख्य स्रोत समाचार पत्र-पत्रिकाएं थीं। सरकारी टेलीविजन दूरदर्शन तथा आकाशवाणी के बारे में कुछ बताने की आवश्यकता नहीं। प्रधानमंत्री कार्यालय संजय गांधी के निवास या फिर सूचना प्रसारण मंत्री विद्याचरण शुक्ला के आवास एवं कार्यालय से ही उसका संचालन होता था। समाचार छापने के पहले सेंसरशिप अधिकारी को भेजा जाता था जो बताता था कि किस समाचार में क्या बदलना है, कितना छाप सकते हैं। संविधान की हत्या या संविधान खत्म करने का इससे बड़े कदम भारत में उसके पूर्व न कभी उठा और न बाद में ऐसी कोशिश हुई। इस तरह आपातकाल में संविधान खत्म करने की बात सच है लेकिन वर्तमान समय में संविधान खत्म करने का खतरा दिखाना सरासर झूठ।

वैसे जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता में आने के बाद आंतरिक आपातकाल लगाने का प्रावधान संविधान से लगभग खत्म कर दिया। यह प्रचार भी झूठ है कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा एक व्यक्ति के शासन की स्थिति संविधान परिवर्तन कर ला सकती है। एक बार आपातकाल लगाने का परिणाम देश भुगत चुका है और स्वयं कांग्रेस पार्टी भी चुनाव में बुरी तरह पराजित हुई। देखा जाए तो जनता पार्टी की अंतर्कलह के कारण 1980 में अवश्य कांग्रेस लौटी और 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या की सहानुभूति में राजीव गांधी को अपार बहुमत मिला किंतु उसके बाद से कांग्रेस कभी भी बहुमत की अवस्था में नहीं पहुंच सकी। सभी नेताओं और राजनीतिक दलों के लिए यह सबक है। इसलिए कोई इस तरह संवैधानिक शक्तियों का दुरुपयोग करते हुए निरंकुशता स्थापित करने का दुस्साहस नहीं करेगा। वर्षों बाद संविधान हत्या दिवस मनाने की प्रासंगिकता और उपयोगिता पर भी प्रश्न उठाए जा रहे हैं।

निस्संदेह, आपातकाल के बाद सत्ता में आई जनता पार्टी की सरकार या उसके बाद जो भी गैर-कांग्रेसी सरकार सत्ता में आई उसने ऐसा निर्णय नहीं किया। किसी ने नहीं किया इसलिए आगे वैसा नहीं किया जाए इस तर्क को भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके पहले संविधान खत्म कर देने का इस तरह का दुष्प्रचार भी भारतीय राजनीति में कभी नहीं हुआ। कांग्रेस पार्टी के रणनीतिकारों को सोचना चाहिए कि हम ऐसा आरोप लगाएंगे तो निश्चित रूप में अपने गिरेबान में झांकने के लिए तथ्यों के साथ प्रतिहमला किया जाएगा। आपातकाल लगाने का यह 50वां वर्ष है। 50 वर्ष वह अवसर होता है जब हम उस घटना को लेकर वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विचार करते हैं, उससे सीख लेते हैं, प्रेरणा लेते हैं, और उससे जुड़े व्यक्तियों को उनकी भूमिका के अनुरूप याद करते हैं। इसलिए 25 जून के आपातकाल दिवस को सरकारी स्तर पर आयोजित होते रहने में समस्या नहीं है। आवश्यक है कि इससे संबंधित सभी पहलुओं को जगह-जगह से सामने लाया जाए। उन सभी लोगों को याद किया जाए जिन्होंने आपातकाल का उत्पीड़न झेला, बलिदान हुए, जिनके करियर नष्ट हुए। आपातकाल के विरु द्ध संघर्ष को याद करना हमेशा देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा संपूर्ण व्यवस्था के व्यवहार की दृष्टि से सचेतक हो सकता है।

(ये लेखक के विचार हैं)

सुप्रीम कोर्ट ने दी बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानी एनसीआर में घर खरीदने वालों को बड़ी राहत दी है। फ्लैट का कब्जा नहीं पाने वालों को ईएमआई पेमेंट को लेकर बैंकों, वित्तीय संस्थानों या बिल्डरों द्वारा कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। न ही उनके खिलाफ चेक बाउंस का मामला चलेगा।

सबसे बड़ी अदालत दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी जिनमें खरीदारों की याचिकाओं को अन्य कानूनी विकल्पों की मदद लेने की बात कह कर खारिज कर दिया गया था। शीर्ष अदालत ने केंद्र, बैंकों समेत अन्य को नोटिस भी जारी किया। पीठ ने सभी मामलों पर अंतरिम रोक लगाई जिसके तहत बैंकों/वित्तीय संस्थानों या बिल्डर/डेवलपर की ओर से मकान खरीदारों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई नहीं की जाएगी। पहले भी अदालत ने खरीदारों के पक्ष में सख्त फैसले दिए हैं। जब संसद में कानून पास होने के बाद कुछ रिअल एस्टेट कंपनियों ने इस संशोधन को अदालत में चुनौती दी थी। दिवालिया कानून यानी इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी में बदलाव कर खरीदार को डिफॉल्टर, डवलपर को उसकी रकम वापस देने संबंधी संशोधन किया गया था।

खरीदारों का कहना है कि बैंक की तरफ से ऋण सीधा बिल्डर के खाते में जाता है। जो रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन है। देश में जिस तेजी से विकास हो रहा है। डेवलपर और बिल्डर सरकारी महकमें से मिली-भगत कर ऊंची-ऊंची इमारतें बना रहे हैं। मध्यम वर्ग को सपने दिखा कर मोटी रकम वसूली होती है। पूरा पैसे चुकाने के बावजूद हजारों लोग तय वक्त पर घर न मिलने से परेशान होकर बिल्डरों के दफ्तरों के चक्कर लगाते नजर आते हैं।

विभिन्न कानूनी विकल्प होने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं होती। हालांकि यह फैसला खासकर एनसीआर के मकान खरीदारों के लिए है जबकि यह देश भर के नागरिकों के हित में लागू होना चाहिए। जनता की गाढ़ी कमाई के प्रति बैंकों-वित्तीय संस्थानों, बिल्डरों/डेवलपरों को खुली छूट देने के प्रति सबसे पहले सरकार ही जिम्मेदार है। यह फैसला उन खरीदारों को राहत देने वाला तो है ही, जो अपने घर का सपना दिखा कर खरीदारों को उचित जवाब तक नहीं देते वहीं लोन देकर कर्जदारों को जंजाल में फंसाने वालों को भी सबक लेना होगा।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

प्रलोभन देकर आतंकी बनाकर घुसपैठ

प्रमोद भार्गव

पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर में आतंकवादी हमले तेज कर दिए हैं। धारा 370 के खात्मे के बाद घाटी के हालात में जबरदस्त सुधार देखते हुए पाकिस्तान ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। स्थानीय स्तर पर घाटी के मुस्लिम युवाओं ने आतंक की राह छोड़कर जब करियर बनाने की दिशा में पहल कर दी तो पाक की भारतीय सीमा में युवाओं को लालच देकर आतंकी बनाने की मंशा पर विराम लग गया।

अतएव अब उसने अपने ही पूर्व सैनिकों को प्रलोभन देकर आतंकी बनाकर घुसपैठ करानी शुरू कर दी। नतीजतन भारतीय जमीन पर एक बार फिर से आतंकी घटनाओं का सिलसिला तेज हो गया। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में एक सेना के कप्तान समेत पांच जवान शहीद हो गए। सुरक्षाबल निरंतर आतंकियों को मार गिरा रहा है। बावजूद घुसपैठ का सिलसिला बना हुआ है, जो देश और सेना के लिए चिंता का सबब है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों के मुताबिक घाटी में करीब डेढ़ माह से जारी आतंकी हमलों में पाकिस्तानी सेना के पूर्व सैनिकों की लिप्सा के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। एजेंसियां इसका यह भी मानकर चल रही हैं कि घाटी में भारी मतदान के बाद पाकिस्तान हताशा के दौर से गुजर रहा है।

उसे आशंका है कि कहीं विधानसभा चुनाव के बाद जम्मू-कश्मीर प्रांत में लोकतंत्र की बहाली न हो जाए? इसलिए वह घाटी में हमलों के जरिए माहौल खराब करके दहशत का वातावरण रचने में लगा है। अलगाववादी सुर का आलाप करने वाले मुफ्ती और अब्दुल्ला परिवार को मतदाता ने हराकर यह साबित कर दिया कि घाटी के हालात बदतर करने में इन परिवारों की भूमिका अहम रही है। इससे पाक ने शायद अंदाजा लगाया है कि विधानसभा चुनाव के बाद घाटी में जो प्रजातांत्रिक सरकार बनेगी, वह पाक की मंशा के अनुरूप चलने वाली नहीं है। इसलिए माहौल खराब करके चुनाव को टला जाए।

इस बीच पाकिस्तान की फंडिंग से घाटी की तरह जम्मू क्षेत्र में आतंकियों की मदद करने वाले ओवर ग्राउंड कार्यकर्ताओं का एक नेटवर्क भी तैयार किया है। इसे सेना ध्वस्त करने में लगी है। डोडा किश्तवार, पुंछ, राजौरी, रियासी और कठुआ के कठिन भौगोलिक इलाकों में पिछले दो दषक में जैश-ए-मोहम्मद और लश्करे तैयबा ने ओवर ग्राउंड वार्कर नेटवर्क खड़ा किया था। यह अंततरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा से आने वाले आतंकियों को घाटी के सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने का काम करता था। घाटी में रहने वाले ये वार्कर घने वनों और दुर्गम इलाकों में छोटे-छोटे घर बनाकर रह रहे हैं।

रियासी जिले में हिंदू भक्तों की बस पर गोली चलाने वाले आतंकियों को इन्हीं ओवर ग्राउंड वर्कर ने मदद की थी। भारतीय सेना के अनुसार ओवर ग्राउंड वार्का वे लोग होते हैं, जो उग्रवादी या आतंकवादियों को रसद, नकदी, आश्रय और अन्य रहने लायक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराते हैं। सेना इस नेटवर्क को नष्ट कर रही है। पाक सेना कितनी दगाबाज है, इसका खुलासा पाक के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल एवं पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई के पूर्व अधिकारी शाहिद अजीज ने 'द नेशनल डेली' में किया था।

इसमें कहा गया था कि कारगिल युद्ध में पाक आतंकवादी नहीं, बल्कि उनकी वर्दी में पाकिस्तानी सेना के नियमित सैनिक ही लड़ रहे थे और इस लड़ाई का लक्ष्य सियाचिन पर कब्जा करना था। चूंकि यह लड़ाई बिना किसी योजना और अंतरराष्ट्रीय हालात का अंदाजा लगाए बिना लड़ी गई थी, इसलिए तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने पूरे मामले को रफा-दफा कर दिया था। इससे यह तथ्य तो प्रमाणित होता है कि पाकिस्तानी फौज इस्लामाबाद के पूरे नियंत्रण में नहीं है। आतंकी सरगना हाफिज सईद भारत-पाक सीमा पर खुलेआम घूम रहा है। जैश, लश्कर और हिजबुल के आतंकी दहशतगर्दी फैलाने में शरीक हैं।'

पाकिस्तान पूर्व सैनिकों को आतंकी बना रहा है। इसका सत्यापन इस तथ्य से भी होता है कि हाल ही में मारे में जिन आतंकियों से खतरनाक हथियार बरामद हुए हैं, उनका संचालन आसानी से सेना से प्रशिक्षित व्यक्ति ही कर सकता है। इन हथियारों में एम-4 कार्बाइन, 509 टैक्टिगल गन और एम-1911 और स्टेयर एयूजी रायफल बरामद हुई हैं। आतंकियों के पास से अल्ट्रा और माइक्रो रेडियो सेट भी बरामद हुए हैं। इनके नेटवर्क में सेंध लगाना आसान नहीं है। ये उपकरण भी अमेरिका द्वारा निर्मित हैं।

अफगानिस्तान में नाटो सेनाओं ने इन हथियारों का इस्तेमाल किया था। अतएव ऐसी आशंका है कि अफगानिस्तान में अमेरिकी सेना द्वारा छोड़े गए हथियार अब जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकियों तक पहुंच रहे हैं। यदि यह तथ्य एक ठोस सच्चाई है तो कश्मीर में आतंकी हिंसा का दुश्चक्र बढ़ता दिखाई दे सकता है? दरअसल, ये हथियार पाकिस्तान के जरिए भी आतंकियों को मिल सकते है और सीधे अफगानिस्तान से भी लाए जा सकते हैं। भारतीय एजेंसियों को ऐसी सूचनाएं भी मिली हैं, कि इन्हें तालिबान सीधे आतंकियों को आर्थिक बदहाली दूर करने के लिए बेच भी रहा है। पिछले चार वर्ष से आतंकियों के पास स्टेयर एयूजी रायफल होने के सूचनाएं मिल रही थीं।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

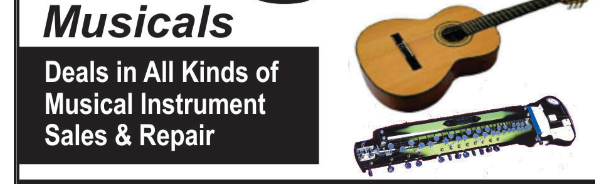

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Industrial Training Institute
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)
योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना

Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

भिलाई में महादेव के भक्ति में लीन शिवभक्त

पं. प्रदीप मिश्रा द्वारा शिवमहापुराण कथा का चौथा दिन, विस अध्यक्ष रमन सिंह समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि हुए शामिल...

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जयंती स्टेडियम भिलाई में आयोजित पंडित प्रदीप मिश्रा के श्रीमुख से शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन भी बरसते पानी में हजारों शिव भक्त बाबा के पंडाल में पहुंचे। शिवकथा के चौथे दिन विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह, लगातार तीसरे दिन सूबे के मुखिया विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय, लगातार दूसरे दिन दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव, भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव और उनकी माता, पूर्व विधायक अरुण वोरा, रिसाली मेयर शशि सिन्हा, ADGP ओपी पाल, जस्टिस पीपी साहू की धर्मपत्नी और माता, जेल DGP राजेश मिश्रा की धर्मपत्नी और माता, भाजपा–कांग्रेस के पार्षद, MIC मेंबर और तमाम अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। पंडित प्रदीप मिश्रा ने सावन के शिवरात्रि जो 2 अगस्त है उस दिन महादेव की पूजा करने की विधि और समय बताया। इसके साथ ही उन्होंने माता पार्वती के क्रोध और शिव भगवान के साथ मंगल विवाह की कथा सुनाई। पूरा पंडाल हर–हर महादेव, श्री शिवाय नमस्तुभ्यं जैसे जयकारों से गुंज उठा।

भिलाई बाद मुंगेली और नवा रायपुर में होगी कथा

कथा के अंत में अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने छत्तीसगढ़ में होने वाली अगली दो कथाओं के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि, 2 से 8 अगस्त तक मुंगेली के लोरमी में दोपहर 1 बजे से कथा होगी। उसके बाद 12 अगस्त से 16 अगस्त तक 5 दिवसीय कथा नया रायपुर में आयोजित होगी।

कुछ मेहनत आपकी बाकि कृपा भोले नाथ की

पंडित मिश्रा ने भक्तों से कहा कि, सबसे पहले अपने दिमाग में एक बात को बैठा लो की भगवान को पाना हो या संसार में अपना नाम कमाने हो तो इन सब में अपना कर्म को सबसे पहले रखें, ऐसा नहीं है की आप दूकान में ताला लगा कर कथा में आ कर बैठ गए तो आपको सोने के अंडे मिल जाएंगे। शिव जी कहते है कि अपना कर्म सबसे पहले रखिए, अपने मेहनत को चार गुना बढ़ाओ तभी आगे बढ़ पाओगे, शिव महापुराण की कथा ये नहीं कहती की सिर्फ मंदिर में बैठ जाओ और अपना काम धाम छोड़ दो, मैंने पहले भी कसी कथा में ऐसा नहीं कहा की मंदिर में जा कर 2–4 घंटे बैठो। उन्होंने आगे कहा कि, कुछ मेहनत आपकी बाकि कृपा भोले नाथ की।

किसी के बुरा कहने से अपना पूरा दिन खराब न करें

शिवमहापुराण कथा के चौथे दिन पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा, अगर आपको किसी ने कुछ अपशब्द कह दिया या कुछ गलत कह दिया तो आप सोचते है कि, आपका पूरा दिन खराब हो गया, शिवमहापुराण की कथा कहती है जरा से किसी के एक शब्द पर आपका दिन खराब क्यों होगा, किसी के शब्दों से आपको अपना दिन क्यों खराब करना है। अगर आपके पास 86 हजार 400 रूपए है और उसमें से 10 रूपए किसी ने चुरा लिया, तो आपका दिमाग खराब हो गया, अब आप के पास से 86 हजार 390 रूपए बचे है क्या तुम उसको फेंक दोगे? नहीं न, उसी तरह किसी के कुछ कहने से अपना दिन खराब हो गया ऐसा नहीं सोचना चाहिए।

एक हाथ से भक्ति सनातन धर्म की पहचान नहीं

पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा, दुनिया में लोग कई चीजें दान करते है, कोई कपड़ा कोई, खाना, अगर आप कुछ दान नहीं कर पा रहे है या किसी को कुछ दे नहीं पा रहे है तो शिव कथा कहती है कि, एक मुस्कान अपने चेहरे में तो ला सकते है, उन्हें एक मुस्कान भेंट कर सकते है। उन्होंने कहा कि, जब भगवान ने शरीर पूरा दिया है तो आधी भक्ति क्यों? आधी भक्ति सनातन धर्म की पहचान नहीं है, एक हाथ से राम–राम बोलना या एक हाथ से भगवान की भक्ति करना हमारे सनातन धर्म की पहचान नहीं है। हमारे सनातन धर्म में एक हाथ का प्रयोग नहीं होता वो दूसरे धर्म में होता है, हमारे सनातन धर्म में दो हाथ से भक्ति होती है, आज कल पता नहीं कुछ युवा एक हाथ से अपने बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लेते है, हमारे धर्म में दोनों हाथों से बड़े–बुजुर्गों का सम्मान किया जाता है।सनातन की पहचान दोनों हाथ से है, यही हमारी संस्कृति और सभ्यता है। दोनों हाथ उठा कर शंकर भगवन की भक्ति करो और दोनों हाथ उठा कर बोलो हर–हर महादेव।

सावन के शिवरात्रि में शिवलिंग पूजा करने का समय और विधि जानिए

पंडित मिश्रा ने कथा में आगे बताया कि, हिमावत जी ने तुमरुका जी से कहा पार्वती जी का क्रोध कैसे शांत किया जाए? तुमरुका जी ने कहा की अगर पार्वती शिव की आराधना करें और श्रावण का महीने आ जाए और भूलवश भी शिवरात्रि पड़ जाएं और प्रथम पहर में पार्वती जी शिव जी की पूजा और आराधना करले तो जो भी पूर्वजन्म का अपमान है वो भूल जाएंगी, और भगवान शंकर के पूजन में लीन हो जाएंगी की महादेव उन्हें दर्शन देंगे। पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि, 72 साल के बाद इस विशेष सावन के शिवरात्रि में मिट्टी का पार्थिव लिंग बनाए और 2 अगस्त को प्रथम पहर शाम 7 बजे एक धतूरा के पीछे भाग में पीला चंदन और आगे के भाग पर लाल चंदन लगा कर महादेव को समर्पित करेंगे तो ये कह कर समर्पित करें की हमारे घर में जो कलेश है वो समाप्त करें और श्री शिवाय नमस्तुभ्यं बोल महादेव को समर्पित करें उसका फल आपको जरुर मिलेगा। इसी के साथ शंकर जी का विसर्जन रात्रि को पूजा के बाद करना है। विसर्जन अपने घर के बहार तसले में भी कर सकते है। माता पार्वती के पूजा के बाद भगवान शंकर ने दर्शन दिया और कहा की पार्वती तू चिंता मत तू मेरी है तू मेरे ही शरण में आएगी। समय आता है भगवन शिव की स्तुति में डूबी माता पार्वती और शंकर भगवान का मंगल विवाह होता है और सुंदर भगवान गणेश जी का प्राकट्य होता है। इसी तरह आज की कथा संपन्न हुई।

घर पर बच्चे अपने पिता का मुंह बना कर न करें स्वागत

पंडित मिश्रा ने कहा कि, कोई भी व्यक्ति हो कोई भी काम करता हो वो शेर होता है परन्तु वो व्यक्ति घर में आ कर हार जाता है। जब वो अपने बच्चे का ऐसा हाल में देखता है तो एक बाप रो देता है। पंडित प्रदीप मिश्रा ने बच्चों को कहा कि, घर में जब भी आपका पिता वापस आए आप कुछ भी हालत हो मुहं बना कर न बैठे चेहरे में मुस्कान के साथ अपने पिता का स्वागत करें। उन्होंने कथा में आगे बताया कि, तुमरुका जी ने पार्वती जी को प्रणाम किया, तब हिमावत जी ने कहा तुम छोटी सी कन्या को प्रणाम कर रहे? तुमरुका जी ने कहा ये छोटी सी कन्या नहीं इस कन्या का जो पूर्वजन्म है मां सती का है जो अपने पिता के यज्ञ अग्नि में भस्म हो गई थी।माता पार्वती जो क्रोध कर रही है पूर्वजन्म में जब इनके पिता और परिवार वालों ने जो अपमान किया था, वो आज तक भूल नहीं पाई है इसलिए वो क्रोध करती है।

इस जन्म में क्रोध का नाता पिछले जन्म से

पंडित प्रदीप मिश्रा ने बताया कि, जब पार्वती जी बाल अवस्था में थी तो उन्हें थोड़ी–थोड़ी चीजों में क्रोध आ जाता था, आस पास कोई सामग्री रखी हो तो वो फेंक देती थी, ये बड़ा चिंता का विषय बन गया। उन्होंने कहा कि, इसी तरह अगर किसी छोटे बच्चों को बहुत क्रोध आ रहा है, उसको समझाने के बाद के भी अगर बच्चा क्रोधित रहता है तो समझ लेना ये क्रोध आज का नहीं है, ये क्रोध पूर्वजन्म का है, पूर्वजन्म में जरूर ऐसा कुछ कर्म हुआ होगा जिस वजह से उसे इस जन्म में क्रोध आ रहा है। हिमालय के राजा हिमावत को कोई तोड़ नहीं पाया पर घर की दशा देखा कर वो टूट गए। उन्होंने तुमरुका जी से कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा पार्वती कभी ठीक रहती है कभी छोटी–छोटी बात पर गुस्सा करने लगती है। तुमरुका जी ने कहा कि, देव ऋषि नारद ने आपकी बेटी की पत्रिका भाग्य बनाया उन्होंने क्या बताया की बेटी का भाग्य अच्छा है, तुमरुका जी ने हिमावत जी से कहा, जब भाग्य अच्छा है और आपकी बेटी इतना क्रोध कर रही है तो जरूर कुछ पूर्व समय का कारण होगा मैं आपकी बेटी का दर्शन करना चाहता हूं।

दुर्ग पुलिस ने शुरू किया नशा मुक्त दुर्ग अभियान, पंडित प्रदीप मिश्रा ने की सराहना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शिव महापुराण कथा जयंती स्टेडियम में पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा मंच के माध्यम से दुर्ग पुलिस के नशा मुक्त दुर्ग अभियान की प्रशंसा की गई। दुर्ग पुलिस लगातार यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा, साईबर अपराध के बचाव एवं नवीन कानुन से संबंधित जागरूकता अभियान के साथ अब लोगो को नशे के दुषप्रभाव की जानकारी देते हुए नशा न करने की अपील करेगी।

पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर एवं सुखनंदन राठौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर), वेदव्रत सिरमौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के

नेतृत्व मे दुर्ग पुलिस द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम जैसे सायबर अपराध से बचने उपाय, यातायात नियम संबंधि, महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित एवं नवीन कानून की जानकारी देने कार्यक्रत करते आ रही है। इसी के साथ आम नागरिको को नशे के दुषप्रभाव से होने वाले नुकसान की जानकारी देने नशा मुक्त दुर्ग नशा मुक्ती अभियान की शुरूआत की है जिसकी जानकारी रविवार को पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा शिव महापुराण कथा के चौथे दिन मंच के माध्यम से तीन लाख श्रद्धालुओं को दी गई। साथ ही पंडित के द्वारा दुर्ग पुलिस के इस नशामुक्ती अभियान की प्रशंसा भी की गई।

दुर्ग पुलिस द्वारा आगामी दिनों में थाना स्तर पर इस नशा मुक्त दुर्ग जागरूकता अभियान की जानकारी विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से दि जाएगी इसके अंतर्गत डॉक्टर के द्वारा नशे के शारिरिक एवं मानसिक दुषप्रभाव संबंधि जानकारी प्रदान की जाएगी साथ ही नशा किस प्रकार सें हमारे परिवारिक जीवन में सामाजिक जीवन में एवं हमारी आर्थिक स्थिति को किस प्रकार से प्रभावित करती है इसकी जानकारी आम नागरिको का दुर्ग पुलिस द्वारा दी जाएगी।

मिशन लाइफ के लिए इको क्लब पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रकृति दर्शन का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। बी–आर जे. शासकीय आदर्श कन्या शाला दुर्ग में दिनांक 07 जुलाई को शिक्षा सप्ताह के अन्तर्गत 'मिशन फॉर लाइफ इको क्लब दिवस का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया। इस आयोजन में समुदाय की सहभागिता निर्धारित करने के उद्देश्य से बालिकाओं के माता पिता को भी आमंत्रित किया गया। एक पेड़ माँ के नाम' जो माननीय प्रधानमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना है, में माताओं के द्वारा विद्यालय परिसर में हरसिंगार के पौधों की आरोपण किया गया. पालकों के द्वारा अति उत्साह से शिक्षकों व छात्राओं के साथ वृक्षारोपण किया गया. साथ ही समाज के बुजुर्गो के द्वारा छात्राओं को विभिन्न प्रकार के वृक्षों के बारे में उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। यूथ एवं इको क्लब के सदस्यों के द्वारा रा पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली गई तथा प्रकृति को हरा भरा रखने की जिम्मेदारी लेने एवं प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने के लिए स्वयं के साथ साथ समाज को भी जागरुक करने का बीड़ा उठाने की शपथ ली गई.छात्राओं को स्वच्छ रहने, समय पर शाला आने, बाल, नाखून आदि को स्वच्छ रखने, वस्त्रों को साफ सुथरा रखने विद्यालय परिसर एवं कक्षा को साफ सुथरा रखने की समझाइश भी बैठक में प्राचार्य डॉ कृष्णा अग्रवाल द्वारा दी गई।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
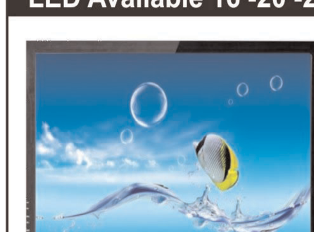
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

मुख्यमंत्री साय ने सिक्किम के नव नियुक्त राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर को नई दिल्ली में दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज नई दिल्ली में सिक्किम के नवनियुक्त राज्यपाल ओमप्रकाश माथुर से उनके निवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री माथुर को राज्यपाल पद पर नियुक्ति की बधाई दी और उनके सफल कार्यकाल की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने बातचीत के दौरान श्री माथुर के अनुभव और नेतृत्व की सराहना की और उम्मीद जताई कि उनकी नियुक्ति से सिक्किम के विकास को नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

राज्यपाल रामेन डेका कल लेंगे शपथ

छत्तीसगढ़ के नए राज्यपाल रामेन डेका बुधवार 31 तारीख को शपथ लेंगे। इससे परे निर्वतमान राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन को सोमवार को विदाई दी जाएगी। हरिचंदन का कार्यकाल खत्म हो गया है। राष्ट्रपति ने केन्द्र सरकार की अनुशंसा पर असम के पूर्व सांसद रामेन डेका को छत्तीसगढ़ का राज्यपाल नियुक्त किया है।

रामेन डेका संभवत: 30 तारीख को रायपुर पहुंचेंगे और 31 तारीख को राजभवन में पद की शपथ लेंगे। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आर.सी. सिन्हा उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने शपथ ग्रहण की तैयारी शुरू कर दी है।

श्री डेका का राजनीतिक सफर और भाजपा में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। वह बीजेपी के फाउंडर मेंबर रहे हैं। 1980 के बाद से ही वह बीजेपी की विचारधारा से जुड़े रहे हैं। रामेन डेका असम की मंगलदोई सीट से चुनकर आते हैं और दर्शनशास्त्र और अर्थशास्त्र में ग्रेजुएट हैं। 1980 से भाजपा से जुड़े डेका भाजपा के संस्थापक सदस्यों में से एक हैं। 2006 में उन्हें असम का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया था। वे उप समिति- ।।, अनुमान समिति 2015 के सदस्य भी रहे हैं और सामान्य प्रयोजन समिति 2014 के सदस्य भी थे। विदेश मंत्रालय और प्रवासी भारतीय मामलों की सलाहकार समिति के सदस्य। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत केंद्रीय सलाहकार समिति के सदस्य। 2014 में गृह मामलों की स्थायी समिति और अनुमान समिति के सदस्य। लोकसभा में अध्यक्षों के पैनल के सदस्य रहे हैं।

उद्योगपति करेंगे मुख्यमंत्री साय से मुलाकात

बिजली दरों में वृद्धिः प्रदेश में आज रात से बंद हो जाएंगी 200 फैक्ट्रियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बिजली दरों में हुई 25 प्रतिशत बढ़ोतरी के विरोध में उद्योगपतियों ने मोर्चा खोला दिया है। उद्योपतियों का कहना है कि महंगी बिजली के कारण उद्योगों के सामने एक बड़ा संकट पैदा हो गया है और इसके चलते 29 जुलाई की रात से सभी फैक्ट्रियां बिजली दर में बढ़ोतरी के विरोध में बंद हो जाएंगी। सोमवार रात से बंद होने वाली फैक्ट्रियों में मिनी स्टील प्लांट व फेरो एलाय फैक्ट्रियां रहेगी, इनकी संख्या करीब 200 है। उद्योगपतियों का कहना है कि सोमवार को इस मामले में मुख्यमंत्री से मुलाकात भी की जाएगी।

छत्तीसगढ़ स्पंज आयरन एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल नचरानी ने बताया कि बिजली दर में बढ़ोतरी उनके लिए एक बड़ी समस्या बन गई है। इसके चलते उद्योगों की उत्पादन लागत काफी ज्यादा बढ़ गई है और हर उद्योग को 25 लाख से लेकर 2.5 करोड़ तक का ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। नचरानी ने कहा कि फैक्ट्रियां बंद होती है तो इसका प्रभाव प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा, साथ ही बेरोजगारी पर भी पड़ेगा। सीएसपीडीसीएल का 60 प्रतिशत लोड हमारे उद्योगों द्वारा ही आता है। उन्होंने बताया कि बिजली की महंगी दर से निजात दिलाने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) को पत्र भी लिखा गया है और उसे बिजली की महंगी दर के कारण होने वाली परेशानी से अवगत भी कराया गया है।

15 दिनों से उद्योगों को झेलनी पड़ रही है परेशानी

उद्योगपतियों का कहना है कि बीते 15 दिनों से उद्योगों को यह परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस संबंध में अधिकारियों के साथ ही मंत्रियों से भी मुलाकात की जा चुकी है। इसके बाद भी केवल आश्वासन ही मिला है,इस संकट से बाहर निकलने में हमें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मालूम हो कि प्रदेश में करीब 850 सेज्यादा इस्पात उद्योग है। ओडिशा के बाद देश में दूसरा सबसे बड़ा इस्पात उत्पादक राज्य है। बिजली की दरों में बढ़ोतरी के चलते हम बाहरी राज्यों से प्रतिस्पर्धा नहीं कर पा रहे है। फैक्ट्रियों के बंद होने से सरकार को राजस्व का भी नुकसान होगा। इन दिनों वैसे ही स्टील उद्योग बाजार की मंदी सेजूझ रहे है और ऊपर से महंगी बिजली की दरों ने तो हालत ही खराब कर दी है।

नगर निगम का अभियानः 64 आवारा मवेशियों को पकड़कर भेजा गौठान

जोन क्रमांक-10 में एक डेयरी को किया सीलबंद, पशुपालकों पर लगाया जुर्माना

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उच्च न्यायालय के आदेशानुसार छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग एवं रायपुर जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश के अनुसार नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देशानुसार सभी जोनों की काऊकैचर टीमों द्वारा प्रतिदिन अभियान चलाकर सड़क मार्गो से आवारा मवेशियों की धरपकड़ की जा रही है। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा जोनों की टीमों के साथ मिलकर अभियानपूर्वक आवासीय क्षेत्रों में संचालित डेयरियों पर कार्यवाही की गयी और पशुपालकों पर जुर्माना किया गया।

जोन 10 क्षेत्र में वार्ड 55 के लालपुर क्षेत्र में रामाधार साहू और हरि साहू की डेयरी पर 3500 रूपये का जुर्माना गंदगी और प्रदूषण फैलाने पर किया गया और रहवासी क्षेत्र में एक डेयरी को सीलबंद किया गया। अमलीडीह, लालपुर मार्ग से 10 आवारा मवेशियों को पकडकर गौठान भेजा गया। संयुक्त कार्यवाही नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर तृप्ति पाणीग्रही, जोन 4 जोन कमिश्नर अरुण ध्रुव, जोन 5 जोन कमिश्नर विमल शर्मा,जोन 9 जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय, 10 जोन कमिश्नर राकेश शर्मा सहित सम्बंधित जोन स्वास्थ्य अधिकारियों और अभियंतागणों की उपस्थिति में की गयी। नगर निगम जोन 9 की टीम ने खम्हारडीह के रहवासी क्षेत्र में डेयरी को बंद करवाया एवं 12 गायों को काऊकैचर वाहन से निगम सीमा से बाहर शिफ्ट कर दिया गया।

जोन 9 ने 2000 रुपये का जुर्माना पशुपालक नरोत्तम यादव पर किया। जोन 1 ने 1200, जोन 4 ने 500, जोन 8 ने 4000 रुपये का जुर्माना पशुपालकों पर किया। आज कुल 64 आवारा पशुओं की मार्गो से धरपकड़ की गयी और काऊ कैचर वाहन से गौठान भेजा। नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि विगत दिनांक 12 जुलाई से प्रतिदिन अभियान चलाया जाकर अब तक नगर निगम रायपुर द्वारा सड़कों से लगभग 1000 आवारा मवेशियों की धरपकड़ कर उन्हें गौठान भेजा जा चुका है और पशुपालकों पर लगभग कुल 25000 रुपये का जुर्माना 12 जुलाई से 28 जुलाई तक किया जा चुका है। अभियान आगे भी निरन्तर प्रतिदिन माननीय उच्च न्यायालय के आदेशानुसार छत्तीसगढ़ शासन, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, रायपुर जिला प्रशासन के दिशा-निर्देश अनुसार जारी रहेगा।

5 अगस्त तक 10 नये विद्युत उपकेंद्र पूर्ण करें : भीम सिंह

छत्तीसगढ़ स्टेट डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के एमडी ने बैठक में दिए निर्देश

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के प्रबंध निदेशक भीम सिंह ने हाल ही में क्षेत्रीय ईडी, मुख्य अभियंता, तथा अन्य मैदानी अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक समीक्षा बैठक आयोजित की। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और ऊर्जा सचिव एवं स्टेट पावर कंपनियों के अध्यक्ष पी दयानंद के निर्देशानुसार, भीम सिंह ने अधोसंरचना विकास परियोजनाओं में तेजी लाने पर जोर दिया। उन्होंने ऑडिट पैरा के निराकरण के कार्य में गंभीरता नहीं दिखाने वाले अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि एक सप्ताह के भीतर 70 प्रतिशत राशि की वसूली सुनिश्चित की जाए।

सिंह ने 33/11 केवी क्षमता के उपकेंद्रों के लंबित कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि 15 अगस्त तक कम से कम 10 नए उपकेंद्रों का निर्माण पूरा हो जाना चाहिए। समय पर कार्य पूरा करने में कोताही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करने की भी हिदायत दी गई।

इन निर्देशों का उद्देश्य छत्तीसगढ़ में ऊर्जा आपूर्ति और वितरण को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। भीम सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने कार्यों में तेजी लाएं और निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी परियोजनाओं को पूरा करें, ताकि राज्य के विकास को गति मिल सके।

छत्तीसगढ़ के सभी खेलों के पदाधिकारियों की यूनियन क्लब में हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सभी खेलों के पदाधिकारियों की यूनियन क्लब में बैठक हुई। बैठक में सभी खेल संघों के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ में महासचिव पद के लिए गुरुचरण सिंह होरा के नाम पर अपनी सहमति जताई है। बता दें कि छत्तीसगढ़ के सभी खेल संघ की ओर से राज्य खेल संघ एवं जिला खेल संघ के पदाधिकारियों ने गुरुचरण सिंह होरा के नाम पर अपनी सहमति बनाई हैं।

ज्ञात हो कि 2024 अगस्त में ओलंपिक संघ का चुनाव होना है, वहीं आज संघों के पदाधिकारियों ने सर्वसम्मति से ये निर्णय लिया कि गुरुचरण सिंह होरा महासचिव छत्तीसगढ़ टेनिस एसो। एवं सीईओ बसीर अहमद खान छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ को संयुक्त रूप से यह जिम्मेदारी की सहमति दी गई कि छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के नियमानुसार चुनाव कराकर पदाधिकारी तय कर सभा में सभी खेल संघ द्वारा एक मत होकर गुरुचरण सिंह होरा छत्तीसगढ़ राज्य ओलंपिक संघ के पद के क्रियाकलाप को सुचारू रूप से अधीकृत किया गया।

यूनियन क्लब अध्यक्ष गुरुचरण सिंह होरा ने बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार के किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ियों के हित में बढ़ चढ़कर अपना योगदान दे रही है, प्रदेश में अनेक प्रकार के खेल के आयोजन आयोजित किए जा रहे है, साथ ही उन्हें प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है, जिससे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा में निखार ला रहे है, और देश भर में छत्तीसगढ़ राज्य का नाम रोशन कर रहे हैं। वहीं गुरुचरण सिंह होरा ने सभी खेलों के पदाधिकारियों का उनका नाम महासचिव के पद के लिए फिर से नामित करने के लिए आभार जताया।

बैठक में अनिल पुसदकर, जीएस बांभरा, नौशाद खान, विनोद राठी, कुलदीप जुनेजा, समीर खान, दलजीत सिंह, अभिजीत मिश्रा, ज्योति सिंह, प्रमोद सिंह ठाकुर, कमलजीत अरोरा, कुलदीप जुनेजा, अवतार जुनेजा, जगन्नाथ यादव, राजेश जंघेल, डी। कॉन्डडीह, मो। अकरम खान, अतुल शुक्ला, धीरज बाजपेयी, कुंवर सिंह निषाद, तरुण सिंह, सतीश कुमा?र, विजय सिन्हा, तारिक, दीपक अरोरा, फ्लिप थामोस, हितेश यादव, राजेश तिवारी, नौसाद खान, अतुल चोपड़ा, अनिल द्विवेदी, जितेन तिवारी, इमरान खान, अतुल चोपड़ा, अनिल खोपरा गड़े, रणधीर सिंह बद्दी, अरुण शुक्ला, सुरेश क्रिस्टोफर, रूपेंद्र सिंह चौहान ने सर्वसम्मति से गुरुचरण सिंह होरा को ओलिंपिक संघ के सुचारु रूप से संचालन के लिए अपनी सहमति जताई।

केंद्रीय जेल प्रशासन ने बंदियों के मानसिक एवं आध्यात्मिक उत्थान के लिए बनाई बंदियों की रामायण मंडली

अध्यात्म के माध्यम से बंदियों के मनोदशा में सुधार के प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर स्थित केंद्रीय जेल प्रशासन द्वारा बंदियों के मानसिक एवं आध्यात्मिक उत्थान हेतु लगभग 60 बंदियों की रामायण मंडली बनाई गई है। मंडली द्वारा विभिन्न बैरकों में प्रत्येक त्यौहारों के अवसर पर रामायण का पाठ तथा प्रत्येक मंगलवार को हनुमान चालीसा तथा प्रत्येक शनिवार को सुंदरकांड का पाठ कराया जा रहा है।

रामायण मंडली के मुख्य गायक आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे बंदी बोधन पिता रघुनाथ ने बताया कि वह जब भी पेरोल पर घर जाता है। वह गांव में रामायण मंडली में शामिल होता है तो उसके गांव वाले भी आश्चर्यचकित हो जाते है और कहते है कि, जेल एक जेल न रहकर सुधारगृह में परिवर्तित हो गया है। गांव वाले भी उससे बोलते हैं कि इतना अच्छा रामायण आप जेल में रहकर सीख लिये हो यह तो अद्भुत है। उसने अपने गांव दियागढ़ थाना लैलूंगा जिला रायगढ़ में भी रामायण मंडली का गठन किया है।

इसी प्रकार प्रतिदिन गीता सीखने वाले व रामायण के टीका करने वाले आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे बंदी चक्रधर पिता बंशीधर ने बताया कि वह प्रतिदिन आध्यात्म ही उसके जीवन का आधार है, वह परमात्मा को अपना सब कुछ सौंप चुका है। प्रतिदिन सीखे गीता के श्लोकों का पाठ, उसके अर्थ की चर्चा अपने बैरक के अन्य साथी बंदियों के साथ करता है। वह अन्य बंदियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है। गांव जाने पर उसके गांव वाले उससे गीता, रामायण, पुराणों के बारे में चर्चा करते है तो उसका शुद्ध उच्चारण सुनकर कहते है कि आप जेल जैसी जगह में भी रहकर इतना ज्ञान प्राप्त कर लिये हो। उनका कहना है कि वो प्रतिदिन अपने साथी बंदी दोणाचार्य, धरम, वासुदेव के साथ पाठ कर आनंदित रहता हूं तथा अपनी सजा अच्छे से काट रहा हूं।

केन्द्रीय जेल रायपुर प्रशासन द्वारा मंडली को हारमोनियम, केसियो, तबला ढोलक, मंजीरा तथा माईक सिस्टम प्रदाय किये गये है। इस प्रकार के प्रयास से बंदी जेल में अध्यात्म से जुड़कर अपने समस्त जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए जीवन के प्रति सकारात्मक तथा अवसादमुक्त हो रहे हैं। जिससे उनके व्यवहार में भी उल्लेखनीय बदलाव हो रहा है। इसके साथ ही प्रतिदिन गीता परिवार के माध्यम से बंदियों को प्रतिदिन 01 घंटे गीता का ज्ञान तथा शुद्ध उच्चारण का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। वर्तमान में 21 कैदियों द्वारा गीता सीखकर कंठस्थीकरण करते हुए गीता परिवार द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली गई है।

आज सावन का दूसरा सोमवार शिवालयों में विशेष श्रृंगार

रायपुर। सावन के दूसरे सोमवार पर राजधानी के शिव मंदिरों में भगवान शिव का अलग अलग स्वरूपों में श्रृंगार किया गया है। शिवालयों में सुबह से ही महादेव के दर्शन और जलाभिषेक के लिए लंबी लाइन लगी है। श्रद्धालु जल, बेलपत्र, भांग, धतूरा, शहद, भस्म आदि से पूजा कर रहे हैं। रायपुर के प्राचीन हटकेश्नवरनाथ महादेव, बूढ़ेश्वर महादेव में विशेष श्रृंगार किया गया।

लोक परीक्षा अनुचित साधन निवारण अधिनियम पर आयोजित हुई कार्यशाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, नवा रायपुर अटल नगर में शुक्रवार को लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 (द पब्लिक एक्जामिनेशन, प्रीवेंशन ऑफ अनफेयर मींस, एक्ट 2024) पर कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में केन्द्र सरकार द्वारा पारित नये कानून के प्रावधानों के संदर्भ में आयोग के पैनल अधिवक्ता डॉ. सुदीप अग्रवाल, अधिवक्ता उच्च न्यायालय द्वारा उक्त कानून के संबंध में व्याख्यान दिया गया। विदित हो कि उक्त कानून 21 जून 2024 से भारत सरकार द्वारा लागू किया गया है, जिसके तारतम्य में उत्तरप्रदेश तथा बिहार सरकार द्वारा भी इस कानून को राज्य की परीक्षाओं में लागू करने का अध्यादेश पारित किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य में इस कानून को लागू करने के लिए लोक सेवा आयोग द्वारा शासन को पत्र प्रेषित किया गया है। कार्यशाला में आयोग के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वर्मा, सदस्य डॉ. सरिता उईके, सदस्य संतकुमार नेताम एवं आयोग के सचिव पुष्पेन्द्र कुमार मीणा, विधिक सलाहकार सुधीर कुमार, परीक्षा नियंत्रक श्रीमती लीना कोसम एवं विधि अधिकारी अपूर्व श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

निक्की तंबोली ने पिंक क्रॉप टॉप व लॉन्जरी में अपने कर्व्स किए फ्लॉन्ट

एक्ट्रेस की हॉट तस्वीरें सोशल मीडिया पर हुईं वायरल

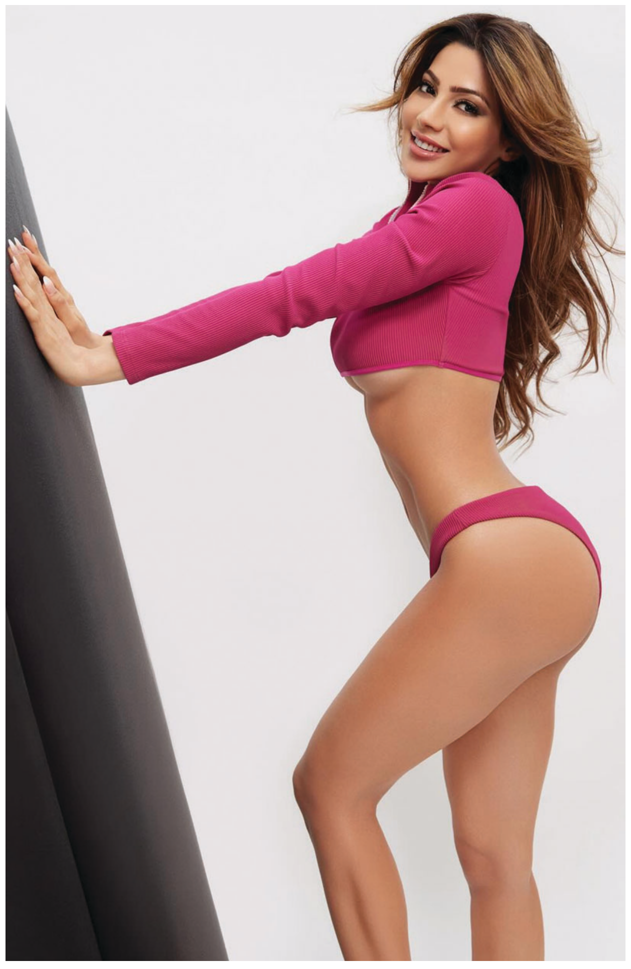

बिग बॉस सीजन 14 में बोल्ड अंदाज और खूबसूरती से फैंस को दीवाना बनाने वाली निक्की तंबोली इन दिनों अपनी तस्वीरों को लेकर सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। अपनी हर पोस्ट से लागों को अपनी ओर अट्रेक्ट करने वाली एक्ट्रेस निक्की अपने हुस्न का जलवा बिखेरने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस निक्की तंबोली ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। जिनमें वह पिंक क्रॉप टॉप और लॉन्जरी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। निक्की तंबोली ने इन तस्वीरों में अपने कर्व्स को फ्लॉन्ट किया है और लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ बेहद कातिलाना लग रही हैं। निक्की तंबोली की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं और उनके फैंस इन पर जमकर प्यार लुटा रहे हैं। एक्ट्रेस की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तहलका मचा रही हैं।

साउथ एक्ट्रेस निक्की तंबोली हमेशा अपनी बोल्ड और हॉटनेस भरे अंदाज को लेकर लाइमलाइट में रहती हैं। निक्की तंबोली जब भी अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं तो वो तेजी से वायरल होने लगती हैं। एक्ट्रेस निक्की तंबोली आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट इंस्टाग्राम पर शेयर कर फैंस को मदहोश कर देते हैं।ब ता दें कि एक्ट्रेस निक्की तंबोली का हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। और आए दिन वो अपनी अदाओं से इंटरनेट का पारा बढ़ाती रहती हैं।

निक्की तंबोली अपने लुक्स से बी-टाउन की बड़ी-बड़ी हसीनाओं को मात देती हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच रही हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस कैमरे के सामने अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती हुई फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच रही हैं। फैंस निक्की की खूबसूरती की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं और उनकी इन तस्वीरों को खूब लाइक और शेयर कर रहे हैं।

जिम जाने से पहले फिश ऑयल वाली गोली क्यों खाते हैं लोग?

आजकल नौजवान अपनी बॉडी बनाने के लिए जिम में घंटों में पैसा बहाते हैं। इसके साथ-साथ प्रोटीन पाउडर का इस्तेमाल करते हैं। इन दिनों फिश ऑयल का भी काफी ज्यादा क्रेज बढ़ा है। कहा जाता है कि फिश ऑयल शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।

फिश ऑयल का इस्तेमाल करने से पहले इन बातों का रखें ख्याल

बॉडी बनाने के लिए आजकल अधिकतर लोग खूब मेहनत कर रहे हैं। लोग अच्छा से अच्छा डाइट प्लान और फिटनेस का ख्याल रख रहे हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे भी हैं जो घंटों मेहनत कर रहे हैं लेकिन उनकी बॉडी नहीं बन रही है। जो लोग अच्छी बॉडी बनाना चाहते हैं और नहीं बन रही है वह लोग वर्कआउट से पहले फिश ऑयल का इस्तेमाल कर रहे हैं। ताकि जल्दी से जल्दी बेहतरीन बॉडी बन सके। फिश ऑयल अक्सर अच्छी बॉडी बनाने के लिए किया जाता है। इसका असर बॉडी पर जल्दी दिखाई देता है। दरअसल, फिश ऑइल में ओमेगा 3 फैटी एसिड होता है। जो शरीर के बॉडी बिल्डिंग के लिए बहुत अच्छा होता है।

फिश ऑयल क्या है?

दरअसल, फिश ऑयल एक तेल की तरह होता है। यह सालमन, हैलिबट और मैकेरेल में होता है। इन मछलियों के अंदर से फिश ऑयल निकाला जाता है। एक रिसर्च के मुताबिक हफ्ते में कम से कम एक बार 227 ग्राम ओमेगा 3 फैटी एसिड जरूर खाना चाहिए। ओमेगा 3 फैटी एसिड फिश ऑयल में पाया जाता है।

बॉडी बिल्डिंग के दौरान अक्सर आप हैवीवेट उठाते हैं ताकि आपकी बॉडी बने। इसके साथ आप कई दूसरी एक्सरसाइज करते हैं। जिसके कारण मांसपेशियों में थकान और दर्द होने लगती है। मासंपेशियों में इसी दर्द को कम करने के लिए फिश ऑयल का इस्तेमाल किया जाता है ताकि आपको दर्द से राहत मिले और आपकी मसल्स स्मूद रहे। वर्कआउट जितने अच्छे तरीके से करेंगे उतने ही अच्छे तरीके से बॉडीबिल्डिंग कर पाएंगे। फिश ऑयल के इस्तेमाल करने से आप काफी देर तक वर्कआउट कर पाते हैं। इससे आपकी सेहत इंप्रूव होती है। वर्कआउट के दौरान आपको काफी ज्यादा थकान होने लगती है। अगर आप ठीक तरीके से एक्सरसाइज नहीं कर पाएंगे तो आपको थकान होगी और फिश ऑयल आपके शरीर की ताकत को बढ़ाती है।

बालों की देखभाल के लिए इस्तेमाल करें जिरेनियम तेल, इन समस्याओं से मिलेगा छुटकारा

मानसून के दिनों में आद्रता के कारण बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं। लोग उन्हें मुलायम बनाने के लिए कई तरह के रासायनिक उत्पाद इस्तेमाल करते हैं, जिनके हानिकारक प्रभाव हो सकते हैं।आप अपने बालों को प्राकृतिक तरीके से स्वस्थ बनाने के लिए जिरेनियम का तेल उपयोग करें। यह तेल दक्षिण अफ्रीका के एक फूल से बनता है, जो एंटीसेप्टिक गुणों से समृद्ध होता है।इस तेल को बालों की देखभाल में शामिल करके आपको ये फायदे मिलेंगे।

डैंड्रफ से मिलता है छुटकारा

डैंड्रफ एक बेहद आम बालों की समस्या है, जो हर किसी को प्रभावित करती है। रूसी से सिर की त्वचा शुष्क और परतदार हो जाती है, जिसके कारण खुजली और असुविधा होती है।जिरेनियम तेल के एंटीफंगल गुण सिर पर होने वाले फंगल विकास को नियंत्रित करके और पीएच स्तर को संतुलित करके डैंड्रफ को खत्म करने में मदद कर सकते हैं।यह पपड़ी, सूजन और खुजली को कम करता है, जिससे आपके बाल स्वस्थ बन जाते हैं।

बालों का झड़ना होता है कम

अगर आप बालों के झड़ने की समस्या से जूझ रहे हैं, तो जिरेनियम का तेल आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।इसमें अच्छी मात्रा में एंटीऑक्सिडेंट और फ्लेवोनोइड मौजूद होते हैं, जो बालों के झड़ने के लिए जिम्मेदार मुक्त कणों से लड़ती है।साथ ही यह अपने जीवाणुरोधी गुणों के कारण फंगस और बैक्टीरिया के विकास को रोकता है, जो सिर को नुकसान पहुंचाते हैं और बालों के झड़ने का कारण बनते हैं।

खुजली से मिलती है राहत

जिरेनियम तेल सिर में होने वाली खुजली और जलन को शांत करने में मदद कर सकता है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सिर की सूजन और दर्द को भी कम कर सकते हैं।इसके अलावा, जिरेनियम तेल में जीवाणुरोधी और एंटीसेप्टिक गुण होते हैं, जो हानिकारक बैक्टीरिया के गठन को रोकते हैं। इसे आप तेल की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं या इसके गुणों वाला शैंपू भी लगा सकते हैं।आप खुजली से राहत पाने के लिए ये एसेंशियल ऑयल्स इस्तेमाल करें।

बाल बन जाते हैं मजबूत

झड़ते बाल और मौसम में बदलाव के कारण बाल पतले और कमजोर हो जाते हैं। आप अपने बालों को पोषण देकर उन्हें घना और मजबूत बनाने के लिए जिरेनियम तेल का उपयोग कर सकते हैं।जिरेनियम तेल में उच्च मात्रा में अमीनो एसिड मौजूद होता है, जो बालों को प्रोटीन पहुंचाने का काम करता है। इन अमीनो एसिड के कारण बाल मजबूत बन जाते हैं।बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए ये गलतियां करने से बचें।

तेल उत्पादन को करता है नियंत्रित

प्लांट्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया है कि जिरेनियम तेल में कसैले गुण होते हैं। यह सिर की त्वचा में सीबम उत्पादन को नियंत्रित करने में मदद करता है।विनियमित पीएच संतुलन बालों के विकास को बढ़ावा देता है। इस तेल में पाए जाने वाले गुण सिर की त्वचा को मॉइस्चराइज करते हैं और सूखे बालों से छुटकारा पाने में मदद करते हैं।इस तेल को इस्तेमाल करने से अत्यधिक तेल उत्पादन कम हो सकता है।

रकुल प्रीत सिंह ने शेयर की ग्लैमरस फोटो, किलर लुक्स देखकर फैंस के उड़े होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से लोगों के बीच छाई हुई रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की ग्लैमरस तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग लुक देखकर फैंस एक बार फिर से मदहोश हो गए हैं।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपनी ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

रकुल प्रीत ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही स्टाइलिश ऑफ शोल्डर आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो काफी ज्यादा बोलड पोज देती हुई नजर आ रही हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट करने के लिए बालों का हाई बन बनाकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के उन्होंने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा- टू मच हॉट। वहीं, दूसरे यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुआ- बोल्ड एंड ब्यूटिफुल लिखा है।

सपने सुहाने लड़कपन की को-स्टार रूपल त्यागी से मिली महिमा मकवाना

एक्ट्रेस महिमा मकवाना बेहद टैलेंटेड हैं और टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेसेस में से हैं। हाल ही में एक इवेंट में वह सपने सुहाने लड़कपन के की को-स्टार रूपल

त्यागी से मिलीं। एक्ट्रेस ने इस मुलाकात को लेकर कहा कि उन्होंने इसकी उम्मीद नहीं की थी। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर महिमा ने रूपल के साथ सेल्फी शेयर की, जिसमें वह येलो कलर की टी-शर्ट में नजर आईं। वहीं, रूपल ने रेड कलर की हॉल्टर ड्रेस पहनी हुई थी। सेल्फी शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने टाइटल में लिखा, ऐसा रीयूनियन जिसकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी! रचना और गुंजन... बहुत दिनों बाद आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा! रूपल ने भी अपनी खुशी साझा करते हुए लिखा, सपने सुहाने लड़कपन के के लिए एक ट्रीट है! रचना और गुंजन की मुलाकात बहुत दिनों बाद हुई! यह कितना प्यारा एहसास था। महिमा, मैं तुमसे बहुत प्रभावित हूं। तुम कितनी प्यारी हो।

इसके बाद रूपल ने रेड हार्ट वाली इमोजी शेयर की। सपने सुहाने लड़कपन के जी टीवी पर प्रसारित होता था। यह शो 2012 से 2015 तक चला। इसका आखिरी एपिसोड 23 जनवरी 2015 को ऑन एयर हुआ था। इसमें अंकित गेरा, पीयूष सहदेव, अलीहसन तुराबी, अंकित भारद्वाज, हर्ष राजपूत और आंचल खुराना जैसे कलाकार लीड रोल में थे। यह दो बहनों की कहानी थी। रचना हर वक्त डरी सहमी रहने वाली लड़की थी, तो वहीं गुंजन दबंग और मस्तीखोर स्वभाव की थी।

मोहे रंग दे से टीवी पर डेब्यू करने वाली महिमा ने सीआईडी, आहट, मिले जब हम तुम, सवारे सबके सपने... प्रीतो और दिल की बातें दिल ही जाने में काम किया। एक्ट्रेस ने 2017 में तेलुगु फिल्म वेंकटपुरम से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की। वह तेलुगु टेक्नो-थ्रिलर मोसागल्लू में भी नज़र आ चुकी हैं। महिमा ने सलमान खान स्टारर और महेश मांजरेकर द्वारा निर्देशित 2021 की एक्शन फिल्म अंतिम द फ़ाइनल ट्रुथ से बॉलीवुड डेब्यू किया। इसमें वह एक्टर आयुष शर्मा के अपोजिट नजर आईं। उन्हें अंतिम बार कॉमेडी-ड्रामा तुमसे ना हो पाएगा और वेब सीरीज शोटाइम में देखा गया है।

महिमा जल्द ही प्रोजेक्ट लव में दिखाई देंगी। रूपल कसम से और एक नई छोटी सी जिंदगी जैसे शो में नजर आईं। लेकिन लोकप्रियता सपने सुहाने लड़कपन के से मिली। उन्हें पिछली बार रंजू की बेटियां में देखा गया था।

बालों में रूसी की समस्या तो आजमाएं ये उपाय...

अगर आप अपने बालों की ग्रोथ तेजी से होते हुए देखना चाहती हैं तो आपको अमरूद की पत्तियों का इस्तेमाल करना चाहिए। दरअसल, इनमें विटामिन बी और सी प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो बालों के विकास के लिए आवश्यक हैं। जब आप इसे हेयर केयर रूटीन में शामिल करती हैं, तो ना केवल हेयर ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि बालों के झड़ने की समस्या भी काफी हद तक कम होती है।

अक्सर यह देखने में आता है कि ठंड के दिनों में रूसी की समस्या बढ़ जाती है। ऐसे में अमरूद की पत्तियों का इस्तेमाल करने से यकीनन आपको लाभ मिल सकता है। दरअसल, इसमें एंटी-माइक्रोबायल और एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो रूसी और स्कैल्प की अन्य समस्याओं को काफी हद तक दूर करने में मदद कर सकते हैं।

जब आप अमरूद की पत्तियों को अपने हेयर केयर रूटीन में शामिल करते हैं तो इसका सीधा असर आपके बालों के टेक्सचर पर भी पड़ता है। इसमें कुछ ऐसे पोषक तत्व होते हैं, जो बालों को अधिक स्मूथ और शाइनी बनाते हैं। जिसके कारण हेयर टेक्सचर बेहतर होता है।

अमरूद की पत्तियों में मौजूद नेचुरल ऑयल बालों के लिए एक कंडीशनर की तरह काम करता है। इसलिए, इसकी पत्तियों का हेयर मास्क रूखे व कर्ली हेयर के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे आपको अपने बालों को मैनेज करना आसान हो जाता है। साथ ही साथ, बाल अधिक सॉफ्ट व सिल्की नजर आते हैं।

खास खबर

राजभाषा कार्यशाला का किया गया आयोजन

कोरबा। एसईसीएल कोरबा अंतर्गत बीईटीआई कोरबा में हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य वक्ता एच. के. पासवान, प्राचार्य, ज्योति भूषण प्रताप सिंह लॉ कॉलेज, के. पी. सिह, वरि. प्रबंधक (कार्मिक), एसईसीएल कोरबा एवं विनोद सिह, प्रबंधक (कार्मिक) कोरबा क्षेत्र का स्वागत पुष्प गुच्छ व शाल श्रीफल से डी.डी.मुखर्जी, प्राचार्य, बीईटीआई, कोरबा क्षेत्र के द्वारा किया गया। मुख्य वक्ता श्री पासवान के द्वारा राजभाषा निति एवं हिन्दी के व्यावहारिक पक्ष विषय पर व्याख्यान देते हुए हिन्दी के महत्ता पर ध्यान आकृष्ट किया7 श्री सिंह के द्वारा हिन्दी में पत्र लेखन, टिप्पणी आलेखन एवं कार्यलयीन कार्य को हिन्दी भाषा में कैसे सुगम बनाये जाने की विस्तृत चर्चा परिचर्चा हुई । कार्यशाला में मंच संचालन भुवनेश्वर कश्यप व कार्यक्रम का संयोजन अश्विनी शुक्ला, नोडल अधिकारी (राजभाषा), कोरबा क्षेत्र द्वारा किया गया। सूर्यकांत के द्वारा कार्यलयीन कार्य को हिन्दी में करने, बढ़ावा देने के लिये सभी से आग्रह किया। श्री मुखर्जी के द्वारा विगत तीन वर्षो से हिन्दी में विशिष्ट कार्य हेतु एसईसीएल में प्रथम पुरुस्कार पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किया गया। कार्यशाला में सभी उपक्षेत्रो से अधिकारी एवं कर्मचारी भारी संख्या में उपस्थित हुए।

जेलों में बंद किशोरों के पहचान के लिये किया गया कार्यशाला का आयोजन

कोरबा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कुशल दिशा.निर्देशों के अनुपालन में 27 जुलाई को एडीआर भवन जिला न्यायालय परिसर कोरबा में किशोर बंदियों से संबंधित युवाओं को पुन: स्थापित करनाए जेलों में बंद किशोरों की पहचान करने और विधिक सहायता प्रदान करने के लिये अखिल भारतीय अभियान.2024 के संबंध में कार्यशाला का आयोजन श्री सत्येन्द्र कुमार साहूए माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्षए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोरबा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के द्वारा अपने उद्बोधन में कहा गया कि बाल सक्षम नीति के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु बाल श्रमिक अपशिष्टए संग्राहकए भिक्षावृत्तिए मादक द्रव्यों के शिकार बच्चों के सर्वेक्षण की कार्यवाही के लिये संबंधित विभाग से जानकारी प्रदान कर सकते हैए जिनके अध्यक्ष जिला कलेक्टर विभाग से जानकारी प्राप्त किया जा सकता है या मिलना चाहिये। यदि अपराधी नाबालिक है तो उसे चिन्हांकित करे ताकि कोर्ट उस अपराधी के उम्र ;नाबालिकद्ध को देखने हुये उसकी सजा माफकर सकती है। अज्ञानतावश या अनजाने में हो गई अपराध के लिये या कोई प्रकार का दावा न कर सके इसलिये चिन्हांकित कर बताये कि वह किशोर है या नाबालिक हैए ताकि उसके साथ कोर्ट उचित न्याय कर सकें। किशोर या नाबालिक के साथ बात बरताव को सालिनता से पेश आये और यदि वह किशोर जेल में हो उसे सही न्याय मिलना आवश्यक है जिसके लिये हमें एक कदम बढ़ाना जरूरी है। किशोर या नाबालिक के साथ सही बरताव कर उसे पुर्नवास कराने का प्रयासरत हम हमेशा करेंगे। सचिव कुण् डिम्पल के द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त अभियान का उद्घाटन माननीय सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश और नालसा के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ने किया। इस अभियान का उद्देश्य वर्तमान में जेल में बंद व्यक्तियों की पहचान करना होगा। जो अपराध घटित होने की तिथि पर नाबालिक विचारधीन बंदी या दोषी होने का दावा करते हैं। जिनके किशोर होने के आवेदन या दावा लंबित है या दर्ज नहीं किया गए है। जेल में बंद सभी विचारधीन बंदी या दोषी जो नाबालिक प्रतीत होते है या नाबालिक होने का दावा करते है जिनके किशोर होने के दावें और बालक देखरेख संस्थान सीसीआई में परिणामी स्थानांतरण के लिये आवेदन लंबित है या आवेदन नहीं किया गया है। जेल में बंद सभी व्यक्ति विचाराधीन बंदी या दोषी जिनकी उम्र जेल प्रवेश की तिथि पर जेल रिकार्ड के अनुसार 18 वर्ष से 22 के बीच थीए की स्क्रीनिंग की जाएगी। किशोर न्याय बालकों की देखरेख और संरक्षण अधिनियम 2015 का मुख्य उद्देश्य विधि से संघर्षरत बच्चों तथा देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों की बाल मैत्री प्रक्रिया के तहत् उनके सर्वोत्तम हितों को ध्यान में रखते हुये उनकी समुचित देखरेखए पुर्नवासए संरक्षण उपचार एवं विकास सुनिश्चित करना है।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस : सुप्रीम कोर्ट के जज हुए शामिल, बोले-

भारतीय न्यायप्रणाली की रीड है डिस्ट्रिक्ट कोर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ उच्च न्यायालय बिलासपुर में रविवार को भारत में जिला न्यायपालिका की वर्तमान चुनौतियों व भूमिका पर राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस आयोजित किया गया। उक्त ऐतिहासिक व अभूतपूर्व राज्यस्तरीय कान्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बीआर गवई पहुंचे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश विकम नाथ व न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा रहे। उक्त राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस इस मामले में ऐतिहासिक रहा है कि छत्तीसगढ राज्य के न्यायिक इतिहास में उच्च न्यायालय में आयोजित कान्फ्रेंस में प्रथम बार माननीय उच्चतम न्यायालय के तीन न्यायमूर्तिगणों द्वारा एक साथ भागीदारी की गई। राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस का उद्घाटन सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश भूषण रामकृष्ण गवई द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया।

कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति बीआर गवई ने जिला न्यायपालिका के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी न्यायाधीश एक न्यायिक परिवार है और इसमें कोई अधीनस्थ नहीं है। न्यायमूर्ति ने जिला न्यायपालिका की भूमिका पर बल देते हुए कहा कि जिला न्यायपालिका न्यायिक प्रणाली की रीढ और आधार है और बिना मजबूत जिला न्यायपालिका के मजबूत न्यायिक प्रणाली की कल्पना नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति ने जिला न्यायपालिका के लिए आधारभूत संरचना, आधुनिक सुविधाओं और तकनीकी ज्ञान पर बल देते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकी जिला न्यायपालिका के लिए आवश्यक है और धीरे-धीरे न्यायपालिका को वर्चुअल कोर्ट की तरफजाना है, जिसके लिए आधुनिक तकनीकी ज्ञान व संसाधनों से सुसज्जित होना आवश्यक है।

सामूहिक प्रयासों से बनेगी प्रभारी जिला न्यायपालिका

छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति माननीय न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा ने अपने स्वागत भाषण में राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस में अपना बहुमूल्य समय देने के लिए न्यायमूर्ति बीआर गवई, न्यायमूर्ति विकम नाथ, न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा का विशिष्ट रूप से आभार व्यक्त किया गया। माननीय न्यायमूर्ति ने अपने स्वागत भाषण में बताया कि सभी के सामूहिक प्रयासों से हम एक सशक्त व प्रभावी जिला न्यायपालिका को सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे। माननीय न्यायमूर्ति द्वारा विश्वास व्यक्त किया गया कि आज की यह कान्फ्रेंस अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगा और हम लोग जिला न्यायपालिका के समक्ष चुनौतियों को और बेहतर ढंग से निपटने में सक्षम होंगे तथा और अधिक सशक्त व प्रभावी जिला न्यायपालिका बनाने की दिशा में अग्रसर होंगे। इस राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र के समापन पर माननीय न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया।

न्यायाधीश को शिष्टता के साथ सुनवाई करनी चाहिए

न्यायमूर्ति बीआर गवई ने एक आदर्श न्यायाधीश द्वारा धारित किए वाले गुणों के बारे में बताया कि न्यायाधीश को शिष्टता के साथ सुनवाई करनी चाहिए बुद्धिमत्ता के साथ उत्तर देना चाहिए, सौम्यता के साथ विचार करना चाहिए और निष्पक्षता के साथ निर्णय करना चाहिए। न्यायमूर्ति द्वारा बताया गया कि न्यायाधीशों को सामाजिक आर्थिक न्याय पर बल देना चाहिए और जेल में निरूद्ध बंदियों की संख्या और उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय में लंबित जमानत आवेदनों के संदर्भ में विशेष रूप से व्यक्त किया गया कि बंदियों को जमानत देना एक नियम है जबकि जमानत निरस्त करना एक अपवाद है।

न्यायाधीश का आचरण कोर्ट के अंदर महत्वपूर्ण

कॉन्फ्रेंस के विशिष्ट अथिति न्यायमूर्ति विकम नाथ ने कहा कि एक न्यायाधीश का आचरण कोर्ट के अंदर बहुत महत्वपूर्ण होता है और एक न्यायाधीश को न्यायालय में बोलते हुए बहुत ही सतर्क रहना चाहिए। न्यायमूर्ति ने जिला न्यायपालिका के न्यायाधीशों को आधुनिक तकनीकी ज्ञान में कुशल होने पर बल दिया और बताया कि न्यायाधीशगण का कार्य दैवीय कृत्य है और इसका बहुत सतर्कता और सावधानी से न्यायसंगत तरीके से निर्वहन किया जाना चाहिए। इस मौके पर न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा ने कहा कि जिला न्यायपालिका की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और एक सशक्त व निडर जिला न्यायपालिका ही जमीनी स्तर पर लोगों के अधिकारों की रक्षा करने में और न्याय प्रदान करने में सक्षम होगी। न्यायमूर्ति ने इस बात पर बल दिया कि न्यायिक प्रणाली में लोगों के विश्वास को संरक्षित व सवर्धित करने में व लोगों को समय पर न्याय प्रदान करने में जिला न्यायपालिका की भूमिका महत्वपूर्ण है।

उद्घाटन सत्र के बाद हुआ तकनीकी सत्र

उद्घाटन सत्र के बाद तकनीकी सत्र आयोजित किया गया, जिसमें न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल, न्यायमूर्ति पार्थ प्रतीम साहू, न्यायमूर्ति रजनी दुबे, न्यायमूर्ति दीपक तिवारी द्वारा जिला न्यायपालिका के समक्ष चुनौतियों से निपटने के संबंध में विस्तार से व्याख्यान दिया गया और जिला न्यायपालिका के समक्ष चुनौतियों से निपटने के लिए तथा जिला न्यायपालिका को प्रभावी बनाने के लिए उपायों व प्रावधानों की चर्चा की गई और प्रतिभागियों के साथ समूह चर्चा की गई। न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल द्वारा समापन सत्र का उद्बोधन दिया गया इस एतिहासिक राज्य स्तरीय कान्फ्रेंस के सफलता व उपलब्धियों को रेखांकित किया गया। अंत में मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा द्वारा इस कान्फ्रेंस में उपस्थित उच्च न्यायालय के सभी न्यायाधीशों, जिला न्यायपालिका के प्रतिभागी सदस्यों उच्च न्यायालय के रजिस्ट्री के अधिकारी व कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

29 दिन में 4.51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किये बाबा बर्फानी के दर्शन

जम्मू (एजेंसी)। 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। अमरनाथ यात्रा ने पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पिछले 29 दिनों में 4.51 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने अमरनाथ यात्रा की है। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने बताया कि 29 जून को शुरू हुई इस यात्रा के बाद से पिछले 29 दिनों में 4.51 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं, जिससे पिछले साल की यात्रा का रिकॉर्ड टूट गया है। पिछले वर्ष पूरी यात्रा अवधि के दौरान 4.45 लाख श्रद्धालुओं ने गुफा मंदिर के दर्शन किए थे।

शनिवार को लगभग 8 हजार तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा में दर्शन किए हैं, जबकि रविवार को 1,677 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ।

अधिकारियों के अनुसार, 29 जून को यात्रा शुरू होने के बाद से घाटी जाने वाले तीर्थयात्रियों की यह सबसे छोटी संख्या है। इनमें से 408 यात्री सुबह 3.35 बजे 24 वाहनों के काफिले में सवार होकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुए। 1,269 यात्रियों का दूसरा काफिला 43 वाहनों में सवार होकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। सीएपीएफ और जम्मू-कश्मीर पुलिस के असाधारण सुरक्षा इंतजामों की वजह से इस साल यात्रा शांतिपूर्ण और सुचारू रूप से चल रही है।

ओडिशा में भारी बारिश के बाद भूस्खलन से तबाही

भुवनेश्वर(एजेंसी)। देश के कई हिस्से में भारी बारिश होने से स्थिति गंभीर हो गई है। महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का बुरा हाल है। इन राज्यों के कई शहर बारिश के पानी में डूब गए हैं। वहीं, ओडिशा में भी भारी बारिश ने तबाही मचाई है। ओडिशा में मूसलाधार वर्षा के बाद हुए एक भीषण भूस्खलन के कारण राज्य के मलकानगिरी जिले के 18 गांवों का संपर्क प्रदेश के अन्य हिस्सों से कट गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

भूस्खलन शनिवार दोपहर को मलकानगिरी जिले के कोरुकोंडा प्रखंड के अंतर्गत नाकामामुडी ग्राम पंचायत में बयापदर घाट मार्ग पर स्थित तुम्बा पदर गांव के पास हुआ। भारी बारिश के बीच मलकानगिरी और कोरापुट के लमातापुट और नंदपुर इलाकों में भूस्खलन की जानकारी मिली, जिससे वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। विशेष राहत आयुक्त

(एसआरसी) कार्यालय ने मलकानगिरी में भूस्खलन की पुष्टि की है। आधिकारिक बयान में बताया गया कि एसआरसी सत्यब्रत साहू ने मलकानगिरी के जिलाधिकारी के साथ चर्चा की है और सड़क को खोले जाने का काम जारी है। इसमें कहा गया है कि यातायात की आवाजाही शीघ्र ही बहाल कर दी जाएगी।

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने एक बुलेटिन में कहा कि पश्चिम बंगाल में गंगा के मैदानी क्षेत्र और इससे सटे उत्तरी ओडिशा के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से ओडिशा में 31 जुलाई तक भारी बारिश जारी रह सकती है। मौसम कार्यालय ने कहा कि रविवार सुबह तक मलकानगिरी, कोरापुट, नबरंगपुर, बोलांगीर, नुआपाड़ा, सोनपुर, झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़, संबलपुर, क्योंझर, अंगुल, देवगढ़ और कालाहांडी जिलों में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (सात से 11 सेमी) हो सकती है।

आईएमडी ने रविवार को बंगाल की खाड़ी के ऊपर 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा के चलने की भी चेतावनी दी है। मछुआरों को सलाह दी गई है कि वे समुद्र में न जाएं, क्योंकि इसके अशांत रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने 28 जुलाई को बरगढ़, झारसुगुड़ा, सुंदरगढ़, नुआपाड़ा और नबरंगपुर में भारी बारिश होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है।

छत्तीसगढ़ के खजुराहो में गूंजा हर-हर महादेव भोरमदेव मंदिर में लगा शिवभक्तों का तांता

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। आज सावन का दूसरा सोमवार है। छत्तीसगढ़ के खजुराहो कहे जाने वाले व ऐतिहासिक भोरमदेव के शिव मंदिर में सुबह से ही भक्तों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिल रही है। भोरमदेव मंदिर में सुबह से हजारों की संख्या में कांवड़िये पहुंचे हैं। मंदिर हर-हर महादेव गूंज रहा है।

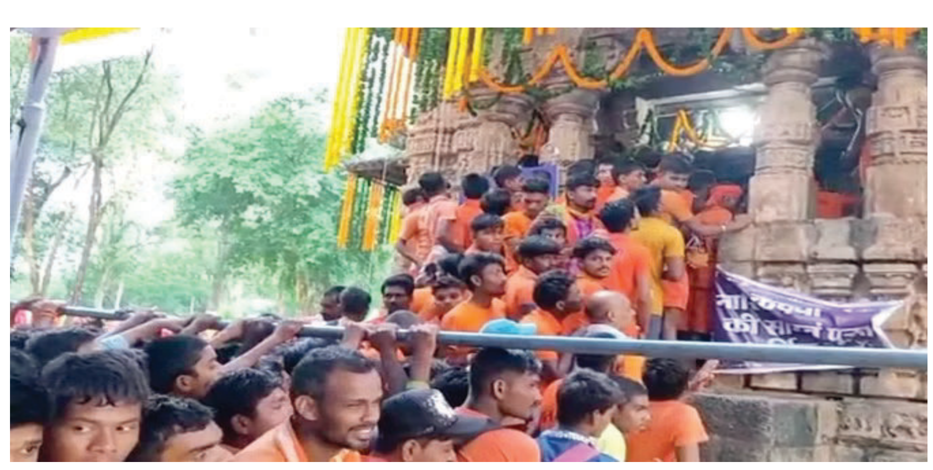

एमपी के अमरकंटक से मां नर्मदा का जल लेकर कांवडिये पूरे उत्साह, जोश और श्रद्धा के साथ आज सुबह यहां पहुंचे हैं। इनका क्रम पूरे दिनभर चलेगा।

बोल बम, बोल बम के जयकारे लगाते हुए कांवडिये धर्मनगरी कवर्धा के बाबा भोरमदेव, बूढ़ा महादेव और जलेश्वर दादा डोंगरिया की ओर बढ़ते जा रहे हैं। अमरकंटक से कांवड़ उठाकर पैदल चल रहे कांवड़ियों के पैरों में छाले भी उनके कदमों को रोक नहीं पा रहे हैं। कांवड़ियों की तपस्या और श्रद्धा को देखते हुए कवर्धा विधायक व डिप्टी सीएम विजय शर्मा के निर्देश पर अमरकंटक से भोरमदेव मंदिर तक कांवड़ियों के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और भोजन सहित ठहरने की उचित इंतजाम किया गया है।

इसके साथ ही अमरकंटक से लेकर भोरमदेव मंदिर लगभग 150 किलोमीटर के सफर में कांवड़ियों के लिए 20 से अधिक स्थानों पर ठहरने की विशेष व्यवस्था, अमरकंटक में निशुल्क भोजन और रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। जिला बोल बम समन्वय समिति के निशांत झा, सुधीर केशवानी, दौवा गुप्ता ने बताया कि मृत्युंजय आश्रम में कांवड़ियों के लिए भोजन, प्रसादी और उनके ठहरने की निशुल्क व्यवस्था की है। इसके अलावा भोरमदेव मंदिर में भी कांवड़ियों के लिए भी यही व्यवस्था की गई है। ये व्यवस्था पूरे सावन माह तक रहेगी।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, सुहावना हुआ मौसम

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर इस बार मानसूनी बारिश न होने के चलते लोगों को उमस भरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा है. रविवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी में तेज धूप खिली लेकिन सुबह 11 बजे के आसपार दिल्ली-एनसीआर में मौसम का मिजाज बदल गया और उसके बाद झमाझम बारिश हुई. जिसके चलते लोगों को उमस भरी गर्मी से थोड़ी राहत जरूर मिली. लेकिन इस बार दिल्लीवालों को मानसूनी की अच्छी बारिश के लिए अभी भी इंतजार है.

दिल्ली-एनसीआर में सूरज और बादलों के बीच आंख मिचौली का खेल जारी है. जहां एक पल में बारिश होने लगती है तो दूसरे ही पल तेज धूप खिलने लगती है. रविवार को भी मौसम का मिजाज कुछ ऐसा ही बना हुई है, जहां सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे बारिश हुई तो लोगों ने राहत की सांस ली लेकिन कुछ देर बार ही बारिश बंद हो गई और एक बार फिर से तेज धूप निकल आई.

जहां एक और पूर्वोत्तर से लेकर गुजरात तक भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं. तो वहीं दिल्ली इस बार मानसून के सीजन में भी अभी भी अच्छी बारिश के लिए तरस रही है. जुलाई के महीने में राष्ट्रीय राजधानी में न के बराबर बारिश हुई है. जुलाई के पहले सप्ताह में बारिश हुई लेकिन उसके बाद से पूरी जुलाई लोगों को उमस भर्ती गर्मी का सामना करना पड़ा है. शनिवार को भी दिल्ली के कई इलाकों में हल्की बारिश हुई. लेकिन बारिश के बाद उमस भरी गर्मी ने लोगों को खूब परेशान किया. इस बीच मौसम विभाग ने कहा है कि दिल्ली में अगस्त के महीने में अच्छी बारिश होने के आसार हैं।

बालको ने बच्चों के लिए हृदय रोग संबंधित जांच शिविर का किया आयोजन

बालको। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड ;बालको ने श्री सत्य साई संजीवनी अस्पतालए रायपुर के सहयोग से सोनपुरी के आंगनवाड़ी केंद्र में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर जन्मजात हृदय रोग के लिए आयोजित किया गया। समुदाय में बच्चों के हृदय रोग संबंधित स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शिविर में 0.14 वर्ष के बच्चों की नि:शुल्क जांच और दवाईंया दी गई। शिविर में लगभग 216 बच्चों का प्राथमिक एवं हृदय संबंधित जांच किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों एवं सहायक स्वास्थ्य कर्मचारियों और नर्सों की एक समर्पित टीम ने आंगवाड़ी केंद्र पर बच्चों की प्राथमिक जांच की।

खास खबर

बढ़ते सड़क हादसे पर अंकुश लगाने आरटीओ की कार्रवाई

कोरबा (ए.)। लगातार बढ़ते सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और सड़क सुरक्षा के मद्देनजर परिवहन मुख्यालय रायपुर के आदेश पर परिवहन उड़नदस्ता कोरबा आरटीओ इंस्पेक्टर सीके साहू के नेतृत्व में उनकी टीम द्वारा विभिन्न मार्गो पर बिना किसी उचित कारण के बीच सड़क पर वाहन को खड़ी कर यातायात को बाधित करने वाले, नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे एवं अन्य महत्वपूर्ण सड़कों पर नियम विरुद्ध बेतरतीब ढंग से खड़े हुए वाहनों,ब्लैक स्पॉट, अंधे मोड़,संकीर्ण सड़क, ब्यस्तम मार्ग पर वाहन खड़ी कर आराम फरमा रहे वाहन चालकों, ढाबों के किनारे नियम विरुद्ध खड़े वाहनों पर चलानी कार्यवाही की गई। गौरतलब है की जिले में बीते 06 माह में सड़क किनारे नियम विरुद्ध खड़े वाहनों की वजह से कई लोगों की जान जा चुकी है तथा अनेक गंभीर सड़क हादसे हुए है।

किसी कारणवश बिगड़े, पंचर टायर,खराबी हालत में खड़े वाहनों को छोड़कर, जानबूझकर खड़े कर यातायात के मुक्त प्रवाह में अवरोध डालने वाले ऐसे विभिन्न वाहनों पर आज विशेष जांच अभियान चलाकर समाचार लिखे जाने तक 37 वाहनों से ऑफलाइन व आनलाइन माध्यम से चलानी कार्यवाही कर 43500 की जुर्माना राशि वसूल की गई।

सरेआम शराब पीते 14 गिरफ्तार

रायपुर(ए.)। राजधानी पुलिस ने नशेड़ियों के खिलाफ अभियान चलाकर अलग-अलग थाना क्षेत्रों से सरेआम शराब पीते 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार खमतराई पुलिस ने मेटल पार्क रोड रावाभाठा में सरेआम शराब पीते आरोपी नरेंद्र देवांगन 30 वर्ष व ईश्वर साहू 40 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं टिकरापारा पुलिस ने आरोपी अरूण कुमार देवांगन 54 वर्ष एवं गंज थाना पुलिस ने आरोपी विजय चौहान 52 वर्ष, राहुल शर्मा 40 वर्ष व डोमेंद्र जंघेल 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरहह आमानाका पुलिस ने आरोपी राहुल सिंह 32 वर्ष व मोनु सिंह 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। वहीं गुढ़ियारी पुलिस ने आरोपी विजय खरे 23 वर्ष, ललीत 35 वर्ष, सूरज आडिल 24 वर्ष व राजाराम वर्मा 63 वर्ष को गिरफ्तार किया है। इसी तरह राखी पुलिस ने आरोपी सोनिया भारती 22 वर्ष व अभनपुर पुलिस ने आरोपी रमेश गिलहरे 35 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

नाबालिग का अपहरण के बाद दुष्कर्म, पुलिस ने उज्जैन से किया आरोपी को गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। अपहरण के बाद दुष्कर्म के एक मामले में पुलिस ने मध्यप्रदेश के उज्जैन से आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवक करीब आठ माह पूर्व नाबालिग को शादी का झांसा देकर ले गया। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस लगातार आरोपी की पता तलाश करती रही। इस बीच आरोपी के उज्जैन में होने की जानकारी मिली। जशपुर एसपी शशिमोहन सिंह के निर्देश पर एक टीम को जशपुर रवाना किया गया और आरोपी को गिरफ्तार कर नाबालिग को सकुशल बरामद किया गया। आरोपी के विरूद्ध पत्थलगांव पुलिस ने धारा 363, 366, 376(3), 376(2)(ढ) व 4,6 पाक्सो एक्ट के तहत कार्रवाई की।

मिली जानकारी के अनुसार थाना पत्थलगांव क्षेत्र की एक महिला ने 6 जुलाई 2024 को थाना पत्थलगांव में रिपोर्ट दर्ज कराया। महिला ने बताया कि इनकी 16 साल की बेटी को नवंबर 2023 में एक संदेही बहला-फुसलाकर कहीं ले गया है। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कुछ पता नहीं चला। महिला की रिपोर्ट पर थाना पत्थलगांव में अपराध धारा 363 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। महिला संबंधी गंभीर अपराध होने पर पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह द्वारा एसडीओपी पत्थलगांव ध्रुवेश कुमार जायसवाल एवं थाना प्रभारी पत्थलगांव को प्रकरण से संबंधित हर पहलुओं को बारीकी से जांच कर अपहृता की पतासाजी के निर्देश दिए गए थे।

साइबर सेल के सहयोग से अपहृता एवं संदेही के पता-तलाश दौरान उज्जैन में होने की सूचना मिलने पर एसडीओपी पत्थलगांव एवं थाना प्रभारी पत्थलगांव के नेतृत्व में टीम गठित कर उज्जैन मध्यप्रदेश रवाना किया गया। उज्जैन में थाना जलड़ा ग्राम नगपुरा में दबिश दी गई और आरोपी विनोद राठौर को अभिरक्षा में लिया गया। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने पुलिस पार्टी को घेर लिया था। इसके बाद स्थानीय पुलिस के सहयोग से आरोपी विनोद राठौर को अभिरक्षा में लिया गया एवं उसके कब्जे से अपहृता को बरामद किया गया।

अपहृता नाबालिग से पूछताछ करने पर आरोपी विनोद राठौर द्वारा उसे बहला-फुसलाकर शादी का प्रलोभन देकर उनके साथ लगातार दुष्कर्म करना बताया। इसके बाद इस मामले में धारा- 366, 376(3), 376(2)(ढ), 4, 6 पाक्सो एक्ट जोड़ा गया। मामले में आरोपी विनोद राठौर पिता बद्रीलाल राठौर उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम नागपुरा, थाना जलडा जिला उज्जैन (मप्र) को धानिक कार्यवाही उपरांत दिनांक 28.07.2024 को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है। प्रकरण में एक आरोपी फरार है उसकी भी पतासाजी की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी निरीक्षक विनीत कुमार पाण्डेय, सहायक उप निरिक्षक नरेन्द्र कुमार भगत, खिरोवती बेहरा, आरक्षक तुलसी रात्रे, महिला आरक्षक सीमा पैकरा व सायबर टीम जशपुर की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

फल दुकान में घुसा वाहन

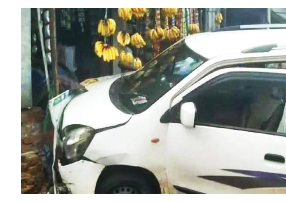

कोरबा (ए.)। कोरबा जिले के हरदी बाजार थाना अंतर्गत भिलाई बाजार चौक समीप फल दुकान का संचालक बाल-बाल बचा। जानकारी के अनुसार एक बैगनार कार के चालक नराईबोध निवासी जो की एक हाथ और पैर से पैरालिसिस होने के बावजूद लापरवाही पूर्वक अपनी कार चलाते हुए भिलाई बाजार चौक में लगा फल दुकान पर सीधा गाड़ी को घुसा दिया। दुकान का संचालक मणि शंकर पाटले एवं उसकी पत्नी बाल-बाल बचे। जहां वह बैठता था उसी जगह में गाड़ी जा घुसी। फिलहाल किसी प्रकार की अनहोनी नहीं हुई। लोगों का कहना है पैरालिसिस होने के बाद भी स्वयं अपनी कार को चलाता है और इस तरह से दुर्घटना और एक दो बार हो चुकी है। आज की घटना के समय मणि शंकर पाटले वहां बैठा रहता तो कुछ भी घटना घट सकती थी फिलहाल आपसी राजी नामा कर मामला सुलझा लिया गया है।

लगातार हो रही बारिश से कच्चा मकान ढहा, मलबे में दबकर मासूम की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। जिले के उरुंदाबेड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत झाकरी गांव में लगातार हो रहे बारिश के चलते एक कच्चा मकान ढह गया, जिसके मलबे में एक मासूम बच्चा दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं 2 बच्चे घायल हैं, जिन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार उरंदाबेडा के झाकरी गांव में आज रविवार सुबह जोरदार बारिश हो रही थी, सर्द मौसम में ठंड से बचने के जिए 3 बच्चे मकान में आग ताप से रहे थे। इसी दौरान मिट्टी का कच्चा मकान भर-भराकर गिर गया। इस दौरान तीनों बच्चे मलबे में दब गए थे। परिजनों ने तुरंत बच्चों को गिरे हुए कच्चे मकान से बाहर निकाला। इस दौरान 2 साल के मितांशू दुग्गा पिता दशमु दुग्गा की दम घुटने से जान चली गई। वहीं दो अन्य बच्चे 3 साल के चित्रांश दुग्गा पिता बज्जूराम, 22 साल के बज्जो दुग्गा पिता लखमा को नारायणपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही राजस्व अमला की टीम मौके पर पहुंचकर बच्चे के शव का

पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। बच्चे की मौत से परिवार सदमे में है।

अवैध शराब बेचते दो गिरफ्तार

रायपुर। खरोरा थाना पुलिस ने अवैध शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 32 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 390 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। मिली जानकारी के अनुसार खरोरा पुलिस ने ग्राम निलजा बाजार चौक के पास अवैध शराब के साथ आरोपी शक्ति सिंग 34 वर्ष व सतीश कुमार 24 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से कुल 32 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 390 रुपए जब्त किया है।

युवक की पानी में डूबने से मौत

जगदलपुर जिले के नगरनार थाना क्षेत्र अंर्तगत ग्राम गारावंड में एक ग्रमीण युवक बुदसन नाग की खेत के पानी में डूबकर मौत हो गई। मृतक को मिर्गी का दौरा आता था जिसकी वजह से खेत के पानी में डूबकर मरने की आशंका व्यक्त की जा रही है।

नगरनार पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक बुदसन नाग ग्राम गारावंड खुरपारा पुलिया के पास अपने खेत में गया था, खेत की पानी में डूबकर मौत हो गया। परिजनों के मुताबिक मृतक सुबह लगभग 5 बजे खेत जाने की नाम से घर से निकला था। बहुत देर बीत जाने के बावजूद वापस नहीं आने से परिजन ढूढने के लिए खेत की तरफ जाकर देखे तो वह खेत में गिरा पड़ा था और उसका मौत हो चुकी था। परिजनों ने मौके पर डायल 112 को जानकारी दी जिसके बाद नगरनार पुलिस की मदद से युवक के शव को पास्टमार्टम के लिए भेजा गया, जिसका आज रविवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

भूस्खलन से किरंदुल-विशाखापट्टनम रेल मार्ग बाधित, रेलवे ने किया मार्ग परिर्वतित

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। ओडिशा और आंध्र प्रदेश से जोड़ने वाली किरंदुल-कोत्तावालसा रेल लाइन पर भूस्खलन से पहाड़ों से कटकर मालबा रेलवे ट्रैक पर गिर गया है, जिससे किरंदुल-विशाखापट्टनम रेल मार्ग बाधित हो गया है। रेलवे के कर्मचारी मौके पर पहुंच गए हैं, मलबा हटाने का प्रयास किया जा रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार ओडिशा के चमड़ीपल्ली रेलवे स्टेशन के नजदीक भू स्खलन हुआ है। जब इसकी जानकारी रेलवे को मिली तो इस मार्ग को बहाल करने के लिए दल मौके पर पहुंचा, जिसके बाद से मलबा को हटाने की कवायद शुरू कर ली गई है। मलबे को हटाने के लिए 24 घंटे से ज्यादा का समय लगने का अनुमान है।

यात्रियों को परेशानी न हो इसलिए रेलवे ने मार्ग परिर्वतित कर दिया है। किरंदुल से विशाखापट्टनम तक चलने वाली नाइट एक्सप्रेस ट्रेन 31 जुलाई तक ओडिशा के रायगड़ा से घूम कर जगदलपुर और फिर दंतेवाड़ा पहुंचेगी। वहीं दंतेवाड़ा से किरंदुल के बीच का इलाका भी काफी खतरनाक है, जिसे ध्यान में रखाते हुए रेलवे के अधाकिारियों ने यात्री ट्रेन को दंतेवाड़ा तक ही चलाने का निणर्य लिया है। हालांकि मालगाडियों की आवाजाही किरंदुल तक बरकरार रहेगी।

भारी बारिश से मल्लेबाग पुलिया टूटा, लोगों की बढ़ी परेशानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले में लगातार हो रहे भारी बारिश का असर आम जनजीवन पर पड़ने लगा है, नदी-नाले उफान पर हैं दूरस्थ ग्रामों का संपर्क जिला मुख्यालय से कट गया है। दोरनापाल गांव से जगरगुंडा गांव जाने में भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

बरसाती पानी के कारण पूरा इलाका पानी-पानी हो गया है, जिससे आवागमन ठप है। दस दिन पहले मल्लेबाग पुलिया टूटने के बाद चिंतलनार-जगरगुंडा की ओर जाने वाले लोगों को खासकर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आसपास के गांव के लोग भी नाला

पार कर अपने गांव जाने को मजबूर हैं। जगरगुंडा के लोगों का जिले से 9 दिनों से संपर्क टूटा हुआ है। मल्लेबाग पुलिया टूटने की वजह से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है कई लोग पैदल भी चलकर चिंतलनार आ रहे हैं। इलाके में दो बसं चलती हैं जो केवल चिंतलनार तक ही जा पा रही हैं ये दोनों बसें जगरगुंडा तक जाती थीं अब चिंतलनार से बसे वापस आ रही हैं।

कत्ल खाना ले जाते 25 मवेशियों के साथ आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंड़ागांव। थाना माकड़ी पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर ग्राम तमशावण्ड में छापामार कार्यवाही किया गया। छापामार कार्यवाही में 3 आरोपी दुर्जन विश्वकर्ता पिता जुगधर विश्वकर्मा साकिन मुलमुला जामपारा थाना कोतवाली कोंड़ागांव, लखेश्वर नरकाग पिता गुंजुराभ मरकाम साकिन मुलमुला जानपारा थाना कोतवाली कोंड़ागांव। राजू विश्वकर्मा पिता जुगधर विश्वकर्मा साकिन मुलमुला जामपाश थाना कोतवाली कोंड़ागांव के कब्जे से 3 भैस, 9 नग भैसा, 13 नग बैल मिला पूछताछ करने पर बताये कि आस-पास के गांव से कृषि हेतु किसानों से जानवर

खरीदते है और ओड़िसा बार्डर में अन्य कोचिंया को कटनी (मांस) के लिए बेचा जाता है।

आरोपियों के खिलाफ अपराध क्र. 45/24 धारा छग. कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4. 06, 10 एवं पशुओं के प्रति क्रूरता का निवारण अधिनियन 1980 कायम कर विवेचना में लिया गया है सभी आरोपियों को न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल किया गया। इस कार्यवाही में निरीक्षक सुशील पटेल, सउनि राकेश भोयर, सउनि गिरीश कतलम, प्रधान आरक्षक राकेश जुरी, प्रधान आरक्षक सहदेव कुजांम आरक्षक गंगा मरकाम, केमेन्द्र उईके एवं एमटीआर मनेश मण्डावी का योगदान रहा।

रिटायर्ड अधिकारी से 54 लाख की ठगी, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर (ए.)। छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर में ईडी और मनी लॉन्ड्रिंग का डर दिखाकर रिटायर्ड अधिकारी से 54 लाख रूपए की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपियों ने पोर्न वीडियो अपलोड करने का आरोप लगाकर एफआईआर की कॉपी भेजी। उसके बाद किस्तों में रकम लेकर आरोपियों ने ठगी की हैं। मामले में ठग का शिकार हुए रिटायर्ड अधिकारी ने पुलिस से शिकायत की है। जिसपर मामला दर्ज पर साइबर सेल की टीम जांच में जुट गई है।

दरअसल अज्ञेय नगर निवासी जय सिंह चंदेल केंद्र सरकार की नौकरी से रिटायर्ड अधिकारी हैं। उनके मोबाइल में बीते 24 जून को अज्ञात मोबाइल नम्बर से कॉल आया।

फोन करने वाले ने उन पर पोर्न वीडियो अपलोड करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर की कॉपी भेजी। जिसपर उन्होंने इस मामले में शामिल नहीं होने की बात कही, इस पर उन्हें मामले की जांच मुंबई पुलिस के द्वारा करने का झांसा दिया गया। फिर शाम को उनके मोबाइल में दूसरे अनजान मोबाइल नम्बर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को मुंबई पुलिस का अधिकारी विनायक बावर बताकर कहा कि, एक व्यक्ति के घर से 274 एटीएम बरामद हुआ है, उसमें से एक एटीएम कार्ड उनका है।

इस पर उन्हें ईडी की जांच में मामला साफ होने की बात कहकर फोन काट दिया गया। इसके बाद 2 जुलाई को उन्हें फोन कर कहा गया कि, सुप्रीम कोर्ट में ये केस रजिस्टर्ड है। उसके अनुसार आपके बैंक में जमा पैसा के लेनदेन के बारे में जांच की जाएगी। जांच के लिए उनसे एक बैंक एकाउंट में सारे रुपए जमा करने के लिए कहा गया। साथ ही ईडी और सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश दिखाकर उनसे 14 लाख 30 हजार रुपए जमा करा लिए गए। वहीं दूसरे दिन उन्हें बताया कि, वे आरोपी नहीं हैं। जांच से बचने के लिए उन्हें मिचुवल फंड की भी जांच कराने कहा गया, और जांच के लिए 35 लाख रुपए जमा कराया गया। वहीं 13 जुलाई को व्हाट्सएप पर फोन करके रुपए की जांच पूरी हो जाने की बात कही गई, और 10 लाख सिक्यूरिटी डिपाजिट करने को कहा गया।

जिस पर उन्होंने रुपए नहीं होने की बात कही और अपना पैसा वापस मांगा। वहीं अज्ञात फोन धारकों के द्वारा दबाव बनाने पर उन्होंने 5 लाख रुपए जमा करा दिए। उसके बाद आरोपियों ने उनका फोन उठाना बंद कर दिया। इस तरह से उनसे 54 लाख 30 हजार रुपए की आनलाइन ठगी कर ली गई। उन्हें आनलाइन ठगी के शिकार होने का अहसास हुआ, तो उन्होंने पुलिस के उच्च अधिकारियों से मामले की शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस अपराध दर्ज कर जांच में जुट गई है।

सट्टा-पट्टी व नगदी के साथ तीन सटोरिए गिरफ्तार

जगदलपुर। जिले के थाना कोतवाली पुलिस के मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि हरीश भुरा पिता दयादीन भुरा उम्र 55 साल निवसी नयापारा बीएसएनएल आफिस के पास जो आदतन सट्टा खेलाता है, सूचना पर आरोपी के पंचर दुकान में रविवार को रेड कार्यवाही की गई। जिसमें आरोपी के द्वारा सट्टा-पट्टी लेते हुये लोगो को सट्टा खिलाना कबुल किया रेड कार्यवाही में आरोपियों के कब्जे से अंक व पैसा लिखा हुआ बहुत सारे सट्टा-पट्टी व 5 लाख 50 हजार 320 रुपये नगदी रकम बरामद किया गया है ।

मौके पर ही विधिसंगत

कार्यवाही करते हुये आरोपी हरीश भुरा जो कि दोनो पैरो से अपाहिज है, पहले भी इसके विरूद्ध कार्यवाही हो चुकी है। उसके दो अन्य साथी उदय बघेल और समारू मांझी दोनो निवासी मेटगुडा जो मुख्य आरोपी को लाना ले जाना दिनचर्या के संपूर्ण कार्य इनके द्वारा ही कराई जाती है एवं सट्टा-पट्टी तीनों मिलकर खिलाते है। थाना कोतवाली में आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक-335/24 धारा छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिशेध अधिनियम की धारा 6-ख पंजीबद्ध कर विवेचना कार्यवाही में लिया गया।

बजट पर संवाद : राजनांदगांव में बोले सांसद बृजमोहन अग्रवाल

इस बजट से मिडिल क्लास पर टैक्स का बोझ होगा कम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल रविवार को राजनांदगांव में बजट संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि इससे पहले जो बजट आते थे वो जातियों-धर्म के नाम पर बंटा हुआ होता था। पहली बार हुआ है कि देश के गरीबों के लिए बजट क्रूमोदी लेकर आए हैं। संवाद कार्यक्रम में उन्होंने आगे कहा कि यह बजट 4 वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो है गरीब, महिला, युवा और किसान। इसके साथ ही बजट के विभिन्न प्रावधानों में शिक्षा, रोजगार, कौशल उन्नयन के जरिए देश के युवाओं के बेहतर भविष्य निर्माण की परिकल्पना की गई है।

जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जाएगा

बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि, आदिवासी समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान शुरू किया जाएगा। यह योजना आदिवासी-बहुल गांवों और आकांक्षी जिलों में आदिवासी परिवारों के लिए संतृप्ति कवरेज को अपनाएगी। इससे 63,000 गांवों को कवर किया जाएगा, जिससे 5 करोड़ आदिवासी लोगों को लाभ होगा। जिससे छत्तीसगढ़ के आदिवासी भाइयों का बड़ा लाभ होगा। कार्यक्रम में राजनांदगांव सांसद संतोष पाण्डेय भी मौजूद रहे।

ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपए

किसानों का समर्थन करने, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कृषि के लिए 1.52 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए। गांवों में बुनियादी ढांचा, आजीविका और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए। एमएसएमई को 100 करोड़ रुपये की क्रेडिट गारंटी योजना और मुद्रा ऋण सीमाओं में वृद्धि के साथ मजबूत किया गया ताकि उनके विकास का समर्थन किया जा सके। छोटे व्यवसायी के लिए ऋण पहुंच में सुधार करने के लिए मुद्रा ऋण सीमा में वृ?द्धि और एक नई क्रेडिट गारंटी योजना लागू की गई है। साथ ही पूंजी परियोजनाओं के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए, जो जीडीपी का 3.4न्न है, जो बुनियादी ढांचा विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि, केंद्रीय बजट 2024-25 आर्थिक विकास और स्थिरता के लिए रणनीतिक पहलों के साथ बुनियादी ढांचा सुधार, रोजगार सृजन और सतत कृषि पर केंद्रित है। आयकर परिवर्तनों में वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए मानक कटौती में वृद्धि शामिल है, जिससे मध्यम वर्गीय परिवारों पर टैक्स का बोझ कम होगा। महिलाओं की कार्यबल भागीदारी और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए महिला-केंद्रित योजनाओं के लिए 3 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। शिक्षा, रोजगार और कौशल प्रशिक्षण के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए।

मुख्यमंत्री साय की पहल से सरगुजा संभाग को मिली 15 विशेषज्ञ चिकित्सकों की सौगात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल की अनुशंसा पर सरगुजा संभाग में पंद्रह विशेषज्ञ चिकित्सकों (एनएचएम संविदा) की पोस्टिंग का आदेश जारी हो गया है। इन चिकित्सकों के मिल जाने से संभाग में त्वरित एवं बेहतर उपचार की बड़ी सुविधा मिलेगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जारी किये गए आदेश में शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. मुकेश कुमार पटेल को जिला अस्पताल (एस.एन.सीयू.) जिला जशपुर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ब्राडिना छाया नायक को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कुनकुरी(एफआर.यू) जिला जशपुर, एम.डी. मेडिसीन डॉ. पियुष देवांगन को जिला अस्पताल, जिला जशपुर, शल्यक्रिया विशेषज्ञ डॉ. शरद मनीष गरेवाल को जिला अस्पताल, जिला जशपुर, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. मनीष कुमार ध्रुव को जिला अस्पताल, जिला जशपुर पदस्थ किया गया है।

इसी प्रकार नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ. मोहनीश खत्री को जिला अस्पताल, जिला जशपुर, रेशपेरेटरी मेडिसीन डॉ. कमल नारायण गुप्ता को जिला अस्पताल, जिला जशपुर, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. कलिन्दर सिंह पैको को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-चिरमिरी (एफआर.यू.), जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, नाक, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ. अनिल मोकासदर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (एफआर.यू.)-मनेन्द्रगढ़, जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पूजा प्रजापति को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (एफआर.यू.)-मनेन्द्रगढ़, जिला- मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, एम.डी. मेडिसीन डॉ. शीतल को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (एफआर.यू.)-चिरमिरी, जिला- मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉ. केदारनाथ देवांगन को जिला अस्पताल, जिला-कोरिया, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. दीपांकर साहू को जिला अस्पताल, जिला-कोरिया, स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. बेबी प्रज्ञा श्री ओझा को जिला अस्पताल, जिला-कोरिया, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अर्चना अय्यर को शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सम्बद्ध जिला चिकित्सालय, जिला-सरगुजा छत्तीसगढ़ में पदस्थ किया गया है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 548.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 548.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 29 जुलाई सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 1317.3 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 202.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 329.4 मिमी, बलरामपुर में 463.2 मिमी, जशपुर में 352.0 मिमी, कोरिया में 345.2 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 372.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

बच्चों का स्वास्थ्य जांच कर गुणवत्ता पूर्ण खाद्य सामग्रियों का करें उपयोग

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के आश्रम एवं छात्रावास अधीक्षकों की बैठक ली। उन्होंने आश्रम - छात्रावासों में बच्चों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करते हुए उनके रहने और पढ़ने का बेहतर माहौल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अधीक्षकों को छात्रावास में स्वयं सभ्य, मृदुशील एवं आकर्षक व्यक्तित्व के साथ रहने के निर्देश दिए, जिससे बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। बच्चे सभ्य जीवन शैली के लिए प्रेरित होंगे। उन्होंने कहा कि आश्रम-छात्रावासों में बच्चों के बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए अधीक्षकगण समर्पित भाव से रूचि लेकर कार्य करें। समय सारणी बनाकर उनका अनुपालन सुनिश्चित करवाएं। कलेक्टर ने कहा की आदर्श छात्रावास के लिए प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्रावास को 26 जनवरी को पुरस्कृत किया जाएगा। उन्होंने सभी सुविधाओं को बेहतर कर आदर्श छात्रावास प्रतियोगिता में शामिल होने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि छात्रावास में सफाई सफाई व्यवस्था बनाएं रखे। सभी कमरों के अलावा परिसर को भी स्वच्छ रखे। बरसात के मौसम के मद्देनजर परिसर में जल भराव न होने दे। जिससे मच्छर, मक्खी एवं गंदगी का खतरा नहीं रहेगा। मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए बच्चों का नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं। आवश्यकतानुसार मलेरिया जांच एवं दवाइयों का वितरण कराएं। साथ ही छात्रावासों में गुणवत्ता पूर्ण खाद्य सामग्रियों का उपयोग करें। कलेक्टर ने खाद्य पदार्थों का व्यवस्थित भंडारण भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इस दौरान बैठक में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग श्री नवीन भगत सहित सहायक संचालक, मंडल संयोजक एवं आश्रम छात्रावासों के अधीक्षक गण मौजूद रहे। बैठक में कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि बच्चों के बेहतर विकास के लिए छात्रावासों में शासन द्वारा सभी बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। उन्होंने अधीक्षकों से छात्रावास में पर्याप्त भवन, बिजली, पानी, शौचालय, भोजन, बेड, गद्दा एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की जानकारी ली।

मृतको के परिजनों से मिले मंत्री दयालदास बघेल अंतिम संस्कार के लिए 25-25 हजार की मदद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल आज बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम कुंआ पहुंचकर जहरीली गैस के कारण दम घुटने से मृत तीन ग्रामीणों आत्माराम साहू, श्री रामकुमार ध्रुव एवं राकेश साहू के अंतिम संस्कार में शामिल होकर शोक संतप्त परिवारजनों से मुलाकात कर तीनों मृतक के परिजनों को 25-25 हजार रूपए अंतिम संस्कार के लिए आर्थिक मदद प्रदान की।

मंत्री दयालदास बघेल ने शोक संतप्त परिवारजनों को ढांढस बंधाते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। उन्होंने परिवारजनों से कहा कि राजस्व पुस्तक परिपत्र की धारा 6-4 के तहत तीनों परिवारों को चार-चार लाख रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी। विदित हो कि बीते शनिवार को बेमेतरा जिले के नवागढ़ विकासखंड के ग्राम कुंआ में केसिंग पाईप की मरम्मत करने के लिए कुएं में उतरे 55 वर्षीय श्री आत्माराम साहू, 45 वर्षीय श्री राम कुमार ध्रुव एवं 25 वर्षीय श्री राकेश साहू की जहरीली गैस के रिसाव से मृत्यु हो गई थी।

रायपुर। नीति आयोग की बैठक में लंच के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय प्रधानमंत्री के साथ भोजन करते हुए।

केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर सरगुजा दौरे पर, आंगनबाड़ी केंद्रों और सखी वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर रविवार को सरगुजा जिले के प्रवास पर रहीं। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े भी उनके साथ कार्यक्रमों में शामिल हुईं। केंद्रीय राज्य मंत्री ठाकुर ने आंगनबाड़ी केंद्रों और सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। श्रीमती ठाकुर ने अम्बिकापुर के पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात श्रवण कार्यक्रम में शामिल हुई। उन्होंने सबसे पहले सखी वन स्टॉप सेंटर दर्रीपारा का निरीक्षण कर महिलाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों को महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों से घर-परिवार से बिछड़े महिलाओं को उनके परिवार से मिलाने के लिए जरूरी पहल करने को कहा। संरक्षण अधिकारी ने बताया कि अब तक 315 परिवारों को जरूरी परामर्श देकर टूटने से बचाया गया है। इसके बाद श्रीमती ठाकुर ने जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों का भी निरीक्षण किया तथा सुपोषण चौपाल लगाकर महिलाओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी सहायिकाओं को पोषण के प्रति सजग रहने सलाह दी। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्र इंदिरा नगर, नवापारा और बंगालीपारा का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्रों में गोदभराई कार्यक्रम में शामिल होकर गर्भवती महिलाओं का तिलक लगाकर विधिवत नारियल,चना, गुड़, फल्, सब्जी, श्रृंगार सामग्री भेंटकर शुभकामनाएं देते हुए गोदभराई रस्म अदा की। उन्होंने बड़े दुलार के साथ बच्चों को खीर खिलाकर अन्न-प्राशन्न किया। नवापारा आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में आजीविका गतिविधियों का संचालन करने वाले स्व सहायता समूह की महिलाओं ने भी केंद्रीय राज्य मंत्री से मुलाकात की और समूह की आय बढ़ाने के संबंध में चर्चा की। इसी कड़ी में आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत वृक्षारोपण कर सभी को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित करते हुए पेड़ो की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेने कहा। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती राजवाड़े भी एक "पेड़ मां के नाम" वृक्षारोपण अभियान में हिस्सा लिया। आंगनबाड़ी केंद्र बंगालीपारा में उन्होंने उपस्थित महिलाओं को शासन की योजनाओं की जानकारी दी तथा योजनाओं का लाभ लेने प्रेरित किया। उन्होंने वहां पर उपस्थित महिलाओं से अपील करते हुए कहा कि बच्चों को नियमित रूप से आंगनबाड़ी केंद्र भेजें। स्वयं भी केंद्र जाएं और देखें कि आंगनबाड़ी केंद्र समय पर खुले तथा केंद्र में स्वच्छता भी बनी रहे। बच्चों का बेहतर विकास सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। अपनी सक्रिय सहभागिता से शासन और प्रशासन को सहयोग करें। इसके बाद पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात श्रवण कार्यक्रम में शामिल हुई।

इस अवसर पर विधायक अंबिकापुर राजेश अग्रवाल, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, कलेक्टर विलास भोसकर सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं विभिन्न विभागों के स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री व मंत्री निवास बनकर लगभग तैयार, कल शिफ्ट होंगे रामविचार नेताम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नवा रायपुर के सेक्टर-24 में मुख्यमंत्री व मंत्री निवास बनकर लगभग तैयार हो चुके हैं। मंत्री रामविचार नेताम 31 जुलाई को नवा रायपुर के सरकारी बंगले में गृहप्रवेश करेंगे। साथ ही नवा रायपुर में मंत्री बंगले में शिफ्टिंग शुरू हो जाएगी।

संपदा विभाग ने यहां पर तीन मंत्रियों रामविचार नेताम, दयालदास बघेल और लक्ष्मी राजवाड़े को बंगला आवंटित किया है। मंत्री नेताम के यहां शिफ्ट होने के बाद मंत्री दयालदास बघेल ने नवा रायपुर में शिफ्टिंग की इच्छा जताई है। फिलहाल नेताम मौलश्री विहार में अपने निजी आवास में रह रहे हैं।

नवा रायपुर में मुख्यमंत्री निवास बनकर तैयार है, इसके पास ही मंत्रियों एवं विधानसभा अध्यक्ष का बंगला भी तैयार किया गया है। कुल मिलाकर 14 बंगलों का निर्माण किया गया है। नई सरकार बनने के बाद सीएम तथा मंत्रियों के यहां पर शिफ्ट होने की चर्चा थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से यहां पर शिफ्टिंग नहीं हो पाई। अब मंत्री श्री नेताम के नवा रायपुर में शिफ्टिंग के बाद यहां के बंगले आबाद होने शुरू होंगे। नवा रायपुर के सेक्टर-24 में मंत्रियों के सभी बंगले 22 एकड़ में बने हैं। निवास और कार्यालय की व्यवस्था अलग-अलग है। सुरक्षा व्यवस्था का रिव्यू करने के बाद अन्य मंत्री भी यहां पर आने को तैयार होंगे।

अगले साल तक बढ़ेगी बसाहट

सेक्टर-24 में राजभवन, मुख्यमंत्री निवास, विधानसभा अध्यक्ष निवास, मंत्रियों के आवास गृह और वरिष्ठ अधिकारियों के आवासीय परिसर का निर्माण 591.75 करोड़ रुपए की लागत से किया जा रहा है। प्लान के मुताबिक, राजभवन, मुख्यमंत्री निवास, विधानसभा अध्यक्ष निवास, मंत्री परिषद के सदस्यों के आवास और वरिष्ठ अधिकारियों के आवास नवा रायपुर में तैयार होने से यहां पर बसाहट अगले साल तक बढ़ेगी। यहां अफसरों के लिए सेक्टर-18 में ऐसे 78 बंगले भी तैयार हो रहे हैं। यहां पर विधानसभा भवन का निर्माण जून 2025 तक पूरा कर लिया जाएगा। यहां पर विधानसभा के अफसर और कर्मियों के लिए भी आवासीय परिसर तैयार करने का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950